▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 157 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 31-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 चुनावी लाभ के लिए ममता बनर्जी घुसपैठ को बढ़ावा दे रहीं : अमित शाह

6 अर्थव्यवस्था से अंतरिक्ष तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

7 काम ही आगे काम दिलाता है : चित्रांगदा सिंह

फर्स्ट टेक

ईडी ने 'धोखाधड़ी' करने वाले क्रिप्टो मंच के खिलाफ छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'क्रिप्टो वर्ल्ड ट्रेडिंग कंपनी' के खिलाफ हरियाणा और चंडीगढ़ में कई स्थानों पर छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई एक ऐसे मामले से जुड़ी है, जिसमें कुछ आरोपियों ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर फंड प्राप्त करने के लिये खाते खोले और एक ऑनलाइन मंच का संचालन कर निवेशकों से धोखाधड़ी की। संघीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसने 'क्रिप्टो वर्ल्ड ट्रेडिंग कंपनी' नाम की एक संस्था के खिलाफ मामले में 24 दिसंबर को अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल और चंडीगढ़ में स्थित नौ आवासीय परिसरों में छापेमारी की। धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी का यह मामला हरियाणा पुलिस द्वारा विकास कालरा, तरुण तनेजा, कपिल कुमार और पवन कुमार नाम के चार व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है।

इंडिगो पर 458 करोड़ रुपए से अधिक का जीएसटी जुर्माना

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि अधिकारियों ने उस पर 458 करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी जुर्माना लगाया है और वह इस फैसले को चुनौती देगी। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक सीजीएसटी - दक्षिण दिल्ली के आयुक्त कार्यालय के अतिरिक्त आयुक्त ने यह जुर्माना लगाया है। यह केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 74 के तहत वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2022-23 की आकलन अवधि से संबंधित है। कंपनी ने बताया, ''जीएसटी विभाग ने विदेशी आपूर्तिकर्ता से मिले मुआवजे पर जीएसटी मांग, ब्याज और जुर्माना लगाने तथा इनपुट टैक्स क्रेडिट को अस्वीकार करने का आदेश पारित किया है।

हमले की स्थिति में ईरान कड़ा जवाब देगा

तेहरान/एपी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने मंगलवार को कहा कि किसी भी हमले की स्थिति में उनका देश कड़ा जवाब देगा। ऐसा लगता है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनी के जवाब में उनका यह बयान आया है। पेजेशकियान ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''किसी भी क्रूर आक्रमण पर इस्लामिक गणराज्य ईरान का जवाब कठोर और हतोत्साहित करने वाला होगा।''

भारत माता के चरणों में झुकने से कोई तमिल विरोधी नहीं बन जाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामेश्वरम (तमिलनाडु)/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि अगर कोई भारत माता के चरणों में झुककर प्रणाम करता है, तो इससे वह 'तमिल विरोधी' नहीं बन जाता। वह यहां काशी तमिल संगमम 4.0 के समापन समारोह में बोल रहे थे, जिसमें उन्होंने काशी और तमिलनाडु के बीच अटूट सांस्कृतिक बंधन पर जोर देते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के तहत राष्ट्रीय एकता का आह्वान किया।

राधाकृष्णन ने कहा, ''हम प्रतिदिन इस पवित्र भारत माता के चरणों में झुककर प्रणाम करते हैं और कहते हैं, 'यह राष्ट्र समृद्ध बने।' क्या इससे हम तमिल विरोधी बन जाते हैं? नहीं। यदि राष्ट्र एक आंख है और दूसरी आंख हमारी मातृभाषा तमिल है, तो इन्हें कौन अलग कर सकता है?'' उन्होंने कहा कि पांडिया नाडु के तमिल योद्धा मुगलों द्वारा किए गए विनाश के खिलाफ काशी मंदिर के जीर्णोद्धार में सहायता कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने यह बताने के लिए हाल का एक उदाहरण भी साझा किया कि प्रधानमंत्री तमिलों के साथ किस तरह खड़े हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के सहयोग से नट्टुकोट्टई चेट्टियारों ने काशी स्थित अपने विश्रामगृह की 300 करोड़ रुपये की अतिक्रमित भूमि को मात्र 48 घंटे में वापस हासिल कर लिया।

राधाकृष्णन ने कहा हमारे नट्टुकोट्टई चेट्टियार समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने सारी जानकारी ली। जब उन्होंने सभी दस्तावेज दिखाए, तो अधिकारियों ने पूरी तरह से मान लिया कि यह जमीन उन्हीं की है। महज 48 घंटों में जमीन वापस ले ली गई... आज यह एक भव्य बहुमंजिला विश्राम गृह के रूप में खड़ी है।

सुधारों के बाद भारत की तरफ उम्मीद एवं भरोसे से देख रही है दुनिया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने वाले अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की रफ्तार को जिस गति से बढ़ाया है, उसकी तारीफ दुनिया कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पेशेवर सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर अपनी एक पोस्ट में कहा कि भारत अपने लोगों के नवोन्मेषी उत्साह के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया है और अब दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि वह कई अवसरों पर कहते रहे हैं कि भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है। उन्होंने कहा, भारत के लिए 2025 एक ऐसा साल होगा जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में तैयार जमीन पर सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा। हमने संस्थाओं को आधुनिक बनाया, शासन को सरल किया और दीर्घकालीन समावेशी वृद्धि के लिए बुनियाद को मजबूत किया।

मोदी ने कहा कि सरकार ने उच्च महत्वाकांक्षा, त्वरित निष्पादन और व्यापक रूपांतरण के साथ आगे बढ़ते हुए सुधारों को लागू किया। इन सुधारों का उद्देश्य नागरिकों को गरिमा के साथ जीवन जीने का अवसर देना, उद्यमियों को आत्मविश्वास के साथ नवाचार का मौका देना और संस्थाओं को स्पष्टता एवं भरोसे के साथ कार्य करने में सक्षम बनाना है।

प्रधानमंत्री ने जीएसटी, भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, श्रम कानूनों में सुधार और ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी कुछ प्रमुख पहलों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने जीएसटी में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत का दो-स्तरीय कर ढांचा लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-गहन क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा, इसका मकसद विवादों में कमी लाना और अनुपालन को बेहतर करना है। इस सुधार से उपभोक्ता धारणा और मांग में वृद्धि हुई है। त्योहारी मौसम में बिक्री में भी वृद्धि देखी गई।

मोदी ने इस पोस्ट में मध्यम वर्ग को दी गई अप्रत्याशित राहत का जिक्र करते हुए कहा कि सालाना 12 लाख रुपए तक की आय वाले लोगों को अब आयकर नहीं देना है। इसके अलावा 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलते हुए आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ छोटे एवं मध्यम व्यवसायों को प्रोत्साहन देने के लिए 'छोटी कंपनियों' की परिभाषा का विस्तार करते हुए 100 करोड़ रुपए तक कारोबार करने वाली कंपनियों को इसके दायरे में लाया गया है। इससे हजारों कंपनियों का अनुपालन बोझ और संबंधित लागत कम होगी।

आदिवासी समुदाय के विकास के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुमला (झारखंड)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आदिवासी समुदाय के विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए मंगलवार को शिक्षित व्यक्तियों से आग्रह किया कि वे लोगों की विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आदिवासी समुदाय के समावेशी विकास के लिए काम कर रही है, ताकि विकास समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

मुर्मू ने झारखंड के गुमला जिले में अंतरराज्यीय जनसांस्कृतिक समागम समारोह-कार्तिक यात्रा (अंतरराज्यीय लोक सांस्कृतिक सभा) को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस समागम में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्य के आदिवासी समुदायों के लोगों ने भाग लिया। मुर्मू ने कहा, ''शिक्षा विकास की कुंजी है। शिक्षा व्यक्तित्व को निखारती है, विकास के अवसर पैदा करती है और समावेशी विकास एवं सामाजिक न्याय का माध्यम बनती है।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद, कई लोग शहरों में बसना पसंद करते हैं और अपने गांवों में वापस नहीं लौटते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''हमें अपने गांव जाना चाहिए और लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा उनके लाभों के बारे में उन्हें जागरूक करना चाहिए। सरकार अपना काम करेगी, लेकिन शिक्षा प्राप्त करने के बाद हमें भी अपना योगदान देना चाहिए।''

इस समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''यह सरकार आदिवासी समुदाय के समावेशी विकास में विश्वास रखती है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए काम कर रही है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

100 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां जब्त

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास, 30 अन्य आबकारी अधिकारियों और शराब बनाने वाली कुछ प्रमुख फैक्टरी की 100 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को जब्त किया है। यह कार्रवाई राज्य में पिछली कांग्रेस नीत सरकार के दौरान हुए कथित 2,800 करोड़ रुपए के शराब घोटाले की जांच के तहत की गई है। ईडी ने आरोप लगाया कि राज्य के वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक हस्तियों से जुड़े एक ''आपराधिक'' गिरोह ने 2019 और 2023 के बीच छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग को ''पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया।'' ईडी ने बताया कि अस्थायी रूप से जब्त की गई 78 संपत्तियों में लग्जरी बंगले, आलीशान आवासीय परिसर में फ्लैट, व्यावसायिक दुकान की जगहें और कृषि भूमि के साथ ही 197 निवेश भी शामिल हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया ने देश में उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा था।

जिया के बड़े बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा, मेरी मां अब हमारे बीच नहीं रहीं। जिया बीएनपी की अध्यक्ष थीं।

जिया के निजी चिकित्सक डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली।

जिया तीन बार प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष भी रह चुकी थीं। बीएनपी अधिकारियों ने बताया कि जिया के जनाजे की नमाज बुधवार को संसद परिसर के सामने ढाका मानिक मियां एवेन्यू में होने की उम्मीद है।

यमन में हूती विरोधी बलों ने आपातकाल की घोषणा की

दुबई/एपी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से यमन में अलगाववादियों के लिए भेजी गई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी। इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है, केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने बेंगलूरु में हेलीकॉप्टर 'ध्रुव एनजी' को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा डिजाइन और निर्मित अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर 'ध्रुव एनजी' को हरी झंडी दिखाकर पहली उड़ान के लिए रवाना किया।

यहां उड़ान भरने से पहले केंद्रीय मंत्री ने हेलीकॉप्टर की उन्नत प्रणालियों और विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में प्रवेश किया।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अधिकारियों के अनुसार, 'ध्रुव एनजी' महज 5.5 टन का एक हल्का, दो इंजन वाला और बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय भूभाग की विविध और चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हेलीकॉप्टर भारतीय विमानन इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एचएएल के सभी कर्मचारियों, डिजाइनरों और इंजीनियरों से लेकर तकनीशियनों तक को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एचएएल लंबे समय से रक्षा विभाग के लिए एक प्रमुख संस्थान की तरह काम कर रहा था लेकिन अब यह रक्षा और नागरिक विमानन संस्थान के रूप में विकसित हो रहा है।

नायडू ने कहा, नागरिक विमानन मंत्री के रूप में यह मेरे लिए विशेष रूप से गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह विकास स्वदेशी एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 'ध्रुव-एनजी' महज एक मशीन नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा टाइप सर्टिफिकेट सौंपे जाने को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक 'महत्वपूर्ण क्षण' बताया।

नायडू ने भारत के तीव्र विमानन विकास का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाने के दृष्टिकोण की वजह से देश विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया है। उन्होंने कहा हालांकि स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करना अभी भी एक प्रमुख चुनौती है।

मंत्री ने कहा, यह अनुमान लगाया गया है कि हम अगले 10 से 15 वर्षों में 1,000 से अधिक हेलीकॉप्टर बना लेंगे, जो प्रधानमंत्री के विमानन क्षेत्र को अधिक समावेशी, लोकतांत्रिक और प्रभावशाली बनाने के मिशन से प्रेरित क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना द्वारा संभव होगा।

स्वदेशी रोटरी-विंग क्षमता में एक बड़ी उपलब्धि साबित होने वाला यह हेलीकॉप्टर, बेहतर सुरक्षा, प्रदर्शन और यात्रियों के आराम को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

हरमनप्रीत के अर्धशतक से भारत जीता

श्रीलंका को 5-0 से हराकर किया सूपड़ा साफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत कौर के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की शृंखला में 5-0 से क्लीनस्वीप किया। भारत ने किसी द्विपक्षीय शृंखला में स्वदेश में पहली और कुल तीसरी बार 5-0 से किसी टीम का सूपड़ा साफ किया है। श्रीलंका को पहली बार इस अंतर से हार का सामना करना पड़ा है।

भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम हसिनी परेरा (65 रन, 42 गेंद, आठ चौके, एक छक्का) और इमेशा दुलानी (50 रन, 39 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट चटकाया।

हरमनप्रीत ने 43 गेंद में नौ चौकों और एक छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को सात विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 27 रन बनाए।

श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी (11 रन पर दो विकेट), कप्तान चामरी अटापट्टू (21 रन पर दो विकेट) और रश्मिका सेवांडी (42 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका ने दूसरे ओवर में ही कप्तान चामरी (02) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अरुंधति की गेंद पर दीप्ति शर्मा को कैच थमाया।

हसिनी और इमेशा ने पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 48 रन तक पहुंचाया।

इमेशा ने दीप्ति पर लगातार दो चौकों के अलावा अरुंधति और स्नेह की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए।

इमेशा और हसिनी ने पावर प्ले के बाद स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी। दोनों ने हालांकि खराब गेंदों को सबक सिखाने में भी कोताही ही नहीं बरती।

इमेशा ने वैष्णवी पर लगातार दो चौकों और फिर एक रन के साथ सिर्फ 38 गेंद में अपना पहला टी20 अर्धशतक पूरा किया।

हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद अमनजोत को थमाई जिन्होंने पहली ही गेंद पर इमेशा को शेफाली के हाथों कैच कराके भारत को बड़ी सफलता दिलाई।

श्रीलंका के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन इसी ओवर में दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा (03) को पगबाधा कर दिया।

31-12-2025 सूर्यास्त 5:53 बजे | 01-01-2026 सूर्योदय 6:31 बजे

BSE 84,675.08 (-20.46) | NSE 25,938.85 (-3.25)

सोना 14,024 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 258,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कद की भद

है लोकतंत्र में नहीं खुदा,
कोई भी मंत्री या सांसद।
सब संविधान के हैं अधीन,
सबको है खबर सभी की हद।
करते विरोध जो जायज का,
कुछ वोटों का पा करके मद।
विस्मृत करके वे अपना कद,
उड़वाते हैं खुद की खुद भद।।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

पूर्व आबकारी आयुक्त समेत अन्य की 100 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां जब्त

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास, 30 अन्य आबकारी अधिकारियों और शराब बनाने वाली कुछ प्रमुख फैक्टरी की 100 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को जब्त किया है। यह कार्रवाई राज्य में पिछली कांग्रेस नीत सरकार के दौरान हुए कथित 2,800 करोड़ रुपए के शराब घोटाले की जांच के तहत की गई है।

ईडी ने आरोप लगाया कि राज्य के वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक हस्तियों से जुड़े एक ''आपराधिक'' गिरोह ने 2019 और 2023 के बीच छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग को ''पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया।'' ईडी ने बताया कि अस्थायी रूप से जब्त की गई 78 संपत्तियों में लग्जरी बंगले, आलीशान आवासीय परिसर में फ्लैट, व्यावसायिक दुकान की जगहें और कृषि भूमि के साथ ही 197 निवेश भी शामिल हैं। निवेश में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), कई बैंक खातों में जमा राशि, जीवन बीमा पॉलिसियां और इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड का एक विविध पोर्टफोलियो शामिल है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि 38.21 करोड़ रुपए की ये संपत्तियां दास और 30 अन्य आबकारी अधिकारियों की हैं। बयान में कहा गया, ''यह जब्ती राज्य के राजस्व की रक्षा करने के लिए नियुक्त अधिकारियों की गहरी मिलीभगत को उजागर करती है।''

कंपनियां अब 31 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगी वित्तीय विवरण एवं वार्षिक रिटर्न

नई दिल्ली/भाषा। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। यह विस्तार कंपनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली थी। मंत्रालय ने यह फैसला विभिन्न हितधारकों से मिले आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया है। कई कंपनियों और पेशेवरों ने फाइलिंग प्रणाली से जुड़ी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं की ओर मंत्रालय का ध्यान दिलाया था। मंत्रालय ने अपने एक परिपत्र में कहा, हितधारकों से मिले आवेदनों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी वार्षिक फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पूरी करने की अनुमति दी जाए।

अश्लील,गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें, अन्यथा परिणाम भुगतें: सरकार की ऑनलाइन मंचों को चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी परामर्श में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। परामर्श में कहा गया, '' सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों को याद दिलाया जाता है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत वैधानिक रूप से बाध्य हैं... कि वे अपने मंचों पर या उनके माध्यम से 'अपलोड', प्रकाशित, 'होस्ट', साझा या प्रसारित की गई तृतीय-पक्ष की जानकारी के संबंध में दायित्व से छूट प्राप्त करने की शर्त के रूप में उचित सावधानी बरतें।'' यह परामर्श ऐसे समय जारी किया गया है कि जब इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह पाया कि सोशल मीडिया मंच अश्लील, भद्दी, अनुचित और गैरकानूनी सामग्री पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

परामर्श में दोहराया गया कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और/या सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर मध्यस्थों, मंचों तथा उनके उपयोगकर्ताओं के खिलाफ आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू आपराधिक कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के उन प्रावधानों की भी याद दिलाई जिनके तहत ऑनलाइन मंचों को यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित प्रयास करने होते हैं कि उनके कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करने वाले लोग ऐसी कोई जानकारी 'होस्ट', प्रदर्शित, 'अपलोड', संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहित, अद्यतन या साझा न करें जो अश्लील (पोर्नोग्राफिक), बाल यौन शोषण से जुड़ी (पीडोफिलिक), बच्चों के लिए हानिकारक या अन्यथा गैरकानूनी हो।

मंत्रालय ने कहा कि उसके संज्ञान में यह आया है कि मध्यस्थों द्वारा उचित परिश्रम संबंधी दायित्वों के पालन में अधिक निरंतरता एवं सख्ती की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी धनखड़ को नहीं मिला सरकारी आवास

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी जगदीप धनखड़ को अभी तक सरकारी आवास नहीं मिला है। उनके करीबी लोगों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस वर्ष संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ हफ्तों बाद, सितंबर में, उन्होंने अपने आधिकारिक आवास 'उपराष्ट्रपति एन्क्लेव' को खाली कर दिया था और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए थे। छतरपुर के गदईपुर क्षेत्र में स्थित फार्महाउस इनेलो नेता अभय चौटाला का है।

धनखड़ ने 22 अगस्त को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को प्राप्त होने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया था। उनके करीबी एक व्यक्ति ने कहा, ''लेकिन अभी तक उन्हें वह आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है,जिसके वह हकदार हैं।'' पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते, धनखड़ लगभग दो लाख रुपए प्रति माह की पेंशन, टाइप-8 बंगला, एक निजी सचिव, एक अतिरिक्त निजी सचिव, एक निजी सहायक, एक चिकित्सक, एक नर्सिंग अधिकारी और चार निजी परिचारकों के हकदार हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति के निधन के बाद उनका जीवनसाथी इससे थोड़े छोटे आवास टाइप-7 का हकदार होता है।

मुंबई के चॉल में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई/भाषा। मुंबई के शिवड़ी इलाके में मंगलवार दोपहर एक चॉल में भीषण आग लग गई, जिससे कई तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडरों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में किसी के भी घायल होने की खबर नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि आग रेती बंदर मार्ग स्थित गुरुकृपा चॉल में अपराह्न करीब 3:15 बजे लगी। अधिकारी ने कहा कि आग लगने का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। शुरुआत में आग कमरे तक सीमित थी, लेकिन सिलेंडर फटने के बाद यह आसपास के चार-पांच कमरों में फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में चार तरलीकृत पेट्रोलियम गैस सिलेंडर फट गए। अधिकारी के अनुसार, मुंबई दमकल सेवा ने बाद में आग को गंभीरता के दूसरे स्तर पर घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि अपराह्न 3:31 बजे घटनास्थल पर दमकल की आठ गाड़ियां, 10 पानी के टैंकर और अन्य अग्निशमन वाहन तैनात किए गए। दमकल विभाग के अनुसार, आग बुझाने का काम जारी है। आग को शाम 4:35 बजे चारों ओर से काबू में कर लिया गया है, जिससे इसके और फैलने की संभावना नहीं है।

तेलंगाना के डीजीपी ने माओवादियों के फिर से उभार की आशंका को खारिज किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी ने राज्य में माओवादियों के फिर से उभार की आशंका को मंगलवार को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के 500 से अधिक सदस्यों के 2025 में तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद माओवादी हथियार डाल रहे हैं। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, किसी भी प्रकार के उभार का कोई सवाल ही नहीं है...न ही उन्हें कोई समर्थन मिल रहा है, न ही पार्टी में कोई भर्ती हो रही है। इसलिए, हमें पूरा विश्वास है कि यह समस्या दोबारा पैदा नहीं होगी। तेलंगाना में माओवादियों के सक्रिय समूहों या उनके उभार के खतरे के बारे में पूछे गए एक प्रश्न पर डीजीपी ने यह बात कही।

इस साल तेलंगाना पुलिस के समक्ष भाकपा (माओवादी) के दो केंद्रीय समिति सदस्यों और 11 राज्य समिति सदस्यों सहित कुल 509 भूमिगत कार्यकर्ताओं ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कुल 509 माओवादियों में से 483 छत्तीसगढ़ से, 24 तेलंगाना से और एक-एक महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश से हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें माओवादियों के फिर से संगठित होने की कोई संभावना दिखती है, इस पर तेलंगाना के पुलिस प्रमुख ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता...क्योंकि वे न केवल आत्मसमर्पण कर रहे हैं, बल्कि अपने हथियार भी डाल रहे हैं। इससे पता चलता है कि अब उनकी सक्रियता कम हो गई है...। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के राज्य में अपराध दर बढ़ने संबंधी आरोपों पर डीजीपी ने इसका खंडन करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है।

अंबानी ने रिलायंस के लिए एआई घोषणा पत्र पेश किया, कार्यबल में 10 गुना उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रिलायंस एआई घोषणा पत्र का मसौदा पेश किया। इसमें समूह को कृत्रिम मेधा आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी उद्यम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई गई है। साथ ही छह लाख से अधिक कर्मचारियों की उत्पादकता में दस गुना सुधार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था पर 10 गुना प्रभाव डालने का लक्ष्य रखा गया है।

कृत्रिम मेधा (एआई) को मानव इतिहास का सबसे प्रभावशाली तकनीकी विकास बताते हुए अंबानी ने कहा कि तेल से लेकर खुदरा और दूरसंचार तक फैला यह समूह भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व करना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने देश के डिजिटल रूपांतरण का नेतृत्व किया था। समूह का घोषित संकल्प 'हर भारतीय के लिए आसानी से एआई' उपलब्ध कराना है, जिसमें सुरक्षा, भरोसा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए सभी व्यवसायों में एआई को गहराई से समाहित किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''रिलायंस में हमने खुद को कृत्रिम मेधा आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी कंपनी में बदलने की राह पर कदम बढ़ाया है। इस संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए हमने रिलायंस एआई घोषण पत्र का मसौदा तैयार किया है। यह मसौदा कार्ययोजना का मार्गदर्शक है।'' घोषणा पत्र का भाग-एक आंतरिक रूपांतरण पर केंद्रित है, जिसमें एआई को किसी तकनीकी परियोजना के बजाय काम करने के नए तरीके के रूप में देखा गया है। रिलायंस परिणामों और 'एंड-टू-एंड' कार्य प्रवाह के इर्द-गिर्द संचालन को पुनर्गठित करने की योजना बना रही है, जिसे साझा डिजिटल मंच और मजबूत प्रशासन का समर्थन मिलेगा। एआई और एजेंटिक ऑटोमेशन का उपयोग दोहराए जाने वाले काम को खत्म करने, निर्णय प्रक्रिया को बेहतर बनाने तथा गुणवत्ता और गति बढ़ाने में किया जाएगा। इसके साथ ही स्पष्ट मानवीय जवाबदेही बनी रहेगी।

भाग-दो में इस नजरिये को भारत के व्यापक एआई रूपांतरण तक आगे बढ़ाया गया है। अंबानी ने कहा, ''मेरा मानना है कि जैसे हम एआई के जरिए अपने कार्यप्रवाह की गति, दक्षता, गुणवत्ता और परिणामों में 10 गुना सुधार ला सकते हैं, वैसे ही अपने व्यवसायों और परोपकारी पहलों के माध्यम से भारत पर भी 10 गुना प्रभाव डाल सकते हैं।'' उन्होंने कर्मचारियों से रिलायंस के विभिन्न व्यवसायों - जियो के 50 करोड़ से अधिक उपभोक्ता आधार और देश के सबसे बड़े खुदरा नेटवर्क से लेकर ऊर्जा, सामग्री, जीवन विज्ञान, वित्तीय सेवाएं, मीडिया और परोपकार - में एआई के उपयोग पर सुझाव देने को कहा। उन्होंने स्वदेशी एआई हार्डवेयर, रोबोटिक्स और क्रॉस-डोमेन अनुप्रयोगों में अवसरों की ओर इशारा किया, ताकि दक्षता, स्थिरता और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके।

दस्तावेज को नारे के बजाय कार्य-मार्गदर्शक बताते हुए अंबानी ने सभी कर्मचारियों से 10 से 26 जनवरी के बीच सुझाव देने को कहा। उन्होंने कहा कि यह घोषणा पत्र 'नया रिलायंस और नया भारत' बनाने की साझा प्रतिबद्धता बनेगा।

नौ शहरों में घरों का पंजीकरण पांच प्रतिशत घटकर 5.45 लाख इकाई पर : स्क्वायर याड्र्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इस साल 25 दिसंबर तक देश के नौ शहरों में आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण पांच प्रतिशत घटकर 5.45 लाख इकाई रहा। इस दौरान कुल मूल्य 11 प्रतिशत बढ़कर 4.46 लाख करोड़ रुपए हो गया। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी स्क्वायर याड्र्स ने मंगलवार को यह कहा।

स्क्वायर याड्र्स के अनुसार, पुणे, ठाणे, मुंबई, नवी मुंबई, बेंगलूरु, हैदराबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में पंजीकृत संपत्तियों से जुड़े आंकड़े जारी किए। ये आंकड़े प्राथमिक और द्वितीयक (पुराने घर की बिक्री) दोनों बाजारों में हुए लेनदेन से संबंधित हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''2025 में भारत के नौ प्रमुख आवासीय बाजारों में पंजीकृत आवासीय लेनदेन सालाना आधार पर पांच प्रतिशत घटा, जबकि इसी अवधि में कुल बिक्री मूल्य 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ा।'' वर्ष 2024 में पंजीकरण की संख्या 5.77 लाख इकाई रही थी, जिनका कुल मूल्य 4.03 लाख करोड़ रुपए था। स्क्वायर याड्र्स के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तनुज शोरी ने कहा, ''अधिक खर्च योग्य आय वाले समृद्ध भारतीयों की संख्या में तेज बढ़ोतरी के बीच 2025 में खासकर मुंबई महानगरीय क्षेत्र जैसे बाजारों में प्रीमियम और लक्जरी आवासों का कुल मूल्य में वर्चस्व रहा।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि मांग संरचनात्मक रूप से मजबूत बनी हुई है, लेकिन 2026 में लक्जरी खंड में वृद्धि की रफ्तार धीमी रहने की संभावना है, जो नरमी के बजाय स्थिरता के दौर की शुरुआत का संकेत देती है।''

दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, व्यापारिक ढांचा बरकरार

नई दिल्ली/भाषा। दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है, लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं को दर्शाती है।

ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, ''दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन लगता है, और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति शृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ आयात में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है।'' भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

हरियाणा में भाजपा सरकार ने खनन माफिया को खुली छूट दे दी है: सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने खनन माफिया को खुली छूट दे दी है, जिससे अरावली पर्वतमाला को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंच रहा है।

सुरजेवाला ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने पहले के आदेश को स्थगित कर दिया है लेकिन उसके बावजूद हरियाणा में अरावली क्षेत्र में 'ब्लास्टिंग' और खनन पर कोई नियंत्रण नहीं है।

कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि इस स्थिति ने गांवों और रिहायशी इलाकों को असुरक्षित बना दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के महेन्द्रगढ़ जिले के उस्मापुर गांव में अंधाधुंध खनन जारी है।

सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने दावा किया कि गांव से मात्र 350 मीटर की दूरी पर 'ब्लास्टिंग' (पत्थर तोड़ने के लिए किया जाने वाला विस्फोट) हो रही है, जहां रोज़ाना लगभग 12 धमाके किए जाते हैं और प्रतिदिन 900 से अधिक डंपर खनिजों का परिवहन करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन धमाकों से घरों में दरारें पड़ गई हैं, गंभीर धूल प्रदूषण फैल रहा है और निवासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पशुधन भी प्रभावित हुआ है।

कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने दावा किया कि 33.10 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए दी गई खनन अनुमति का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा सरकार पर अवैध खनन को नजरअंदाज करके पर्यावरण और लोगों की जिंदगी को खतरे में डालने का आरोप लगाया।

'पूर्वोत्तर में खिलाड़ियों के लिए बढ़ाएंगे अवसर, प्रशिक्षण व प्रतिभा विकास पर दे रहे ध्यान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मंगलवार को कहा कि 'लक्षित प्रशिक्षण, प्रतिभा विकास और स्थानीय लीग' से पूरे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए अवसरों का विस्तार होगा। लोक भवन द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

भल्ला ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने संबंधी चौथे उच्च स्तरीय कार्य बल की बैठक में यह बात कही।

इस बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिजोरम के खेल मंत्री, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सचिव, मणिपुर के मुख्य सचिव व पूर्वोत्तर राज्यों और राज्य खेल विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सिंधिया ने पूर्वोत्तर में खेलों को मजबूती प्रदान करने के लिए एक केंद्रित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया और 'एक खेल एक राज्य' की अवधारणा का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कोचिंग की गुणवत्ता, प्रतिभाओं की खोज और जमीनी स्तर की प्रतियोगिताओं के महत्व को रेखांकित करते हुए गांव से लेकर राज्य स्तर तक टूर्नामेंट आयोजित करने और प्रत्येक राज्य के लिए खेल-विशिष्ट केस स्टडी तैयार करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने इस दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि केंद्रित प्रशिक्षण, प्रतिभा विकास और स्थानीय लीग से पूरे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए अवसरों का विस्तार होगा।

एसआईआर पर बार-बार 'यूटर्न' ले रहा है निर्वाचन आयोग, प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण दे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बार-बार 'यूटर्न लेने' का आरोप लगाया और कहा कि उसे स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया का पालन तथा किस ऐप का उपयोग कर रहा है।

पार्टी के लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग बंद किया, लेकिन 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में फिर से शुरू कर दिया है।

सेंथिल ने संवाददाताओं से कहा, ''पहले डुप्लीकेट मतदाता प्रविष्टियों की पहचान करने और उन्हें चिह्नित करने के लिए एक 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग किया जाता था। यदि कोई व्यक्ति एक से अधिक बूथ या जिले में पंजीकृत पाया जाता है, तो सॉफ्टवेयर इसे चिह्नित करता है, जिसके बाद बीएलओ निवास की जांच करने के लिए जमीनी सत्यापन करता है। यदि व्यक्ति सामान्य निवासी नहीं होता था, तो डुप्लीकेट प्रविष्टि हटा दी जाती थी।''

उन्होंने कहा, ''यह सॉफ़्टवेयर हर वार्षिक संशोधन के दौरान बार-बार उपयोग में लाया जाता था। 2023 में भी यही व्यवस्था अपनाई गई थी। लेकिन निर्वाचन आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान इस सॉफ्टवेयर का उपयोग नहीं करने का फैसला किया।''

उनके मुताबिक, अब जानकारी सामने आई है कि बिहार मतदाता सूची में कथित तौर पर अभी भी लगभग 14.5 लाख डुप्लिकेट प्रविष्टियां हैं। उन्होंने आयोग पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''जिस प्रक्रिया की उसने 2023 तक प्रशंसा की थी, उस पर निर्वाचन आयोग का अचानक 'यूटर्न' लेना बेहद चिंताजनक है।''

सेंथिल ने कहा, ''निर्वाचन आयोग बीते कई साल से कह रहा था कि हमारी मतदाता सूची एकदम पाक-साफ है, लेकिन जैसे हमने संवाददाता सम्मेलन करके 'वोट चोरी' के सबूत दिए, तो आयोग एसआईआर-एसआईआर खेलने लगा।'' उन्होंने कहा, ''हम मांग करते हैं कि निर्वाचन आयोग उस प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी तरीके से बताए, जिसका अनुसरण वह कर रहा है।

दूसरे चरण में डी-डुप्लीकेशन कब शुरू किया, कब बंद किया और कर रहे हैं या नहीं? वह कौन सा नया ऐप है, जिसमें आप ये तार्किक विसंगतियां कर रहे हैं? कृपया देश को उचित स्पष्टीकरण दें।''

सेंथिल ने यह दावा भी किया कि एसआईआर के तहत तमिलनाडु की मतदाता सूची से करीब 97 लाख नाम काटे गए हैं तथा इनमें से छह लाख नाम अकेले उनके संसदीय क्षेत्र तिरुवल्लूर से काटे गए हैं। उन्होंने कहा कि इस आंकड़े से सब लोग चिंतित हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी को कोई चिंता नहीं हो रही है।

शिक्षकों को आवारा कुत्तों की जिम्मेदारी नहीं दिए जाने का सरकार का दावा झूठा : आप

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली सरकार के उस दावे को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षकों को आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों के निटपारे का काम नहीं सौंपा गया था। यह प्रतिक्रिया दिल्ली सरकार के एक मंत्री के 'आप' के आरोपों को अफवाह बताकर खारिज किए जाने के कुछ घंटों बाद आई। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आरोप लगाया था कि 'आप' नेता सोशल मीडिया पर अफवाह फैला रहे हैं कि शिक्षकों को उनकी शैक्षणिक जिम्मेदारियों से हटाकर गैर-शिक्षण कार्यों में लगाया जा रहा है। 'आप' विधायक संजीव झा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आज आशीष सूद ने एक वीडियो जारी कर 'आप' पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है, लेकिन शिक्षा निदेशालय ने एक आदेश जारी कर शिक्षकों को आवारा कुत्तों से संबंधित मामलों के निपटारे के लिए तैनात किए जाने के निर्देश दिए हैं।'' झा ने कहा, ''वह (सूद) कह रहे हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। या तो उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि उनके विभाग में क्या हो रहा है, या फिर वह झूठ फैला रहे हैं।'' 'आप' विधायक ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली की शिक्षा प्रणाली को संभालने में असमर्थ है। उन्होंने कहा, ''2015 से पहले शिक्षकों को अन्य कार्यों में लगाया जाता था, लेकिन हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद मनीष सिसोदिया (जो शिक्षा मंत्री थे) ने शिक्षकों की पीड़ा को समझा। सिसोदिया ने शिक्षा प्रणाली को आकार देने के मामले में अमिट छाप छोड़ी और ये लोग इसे संभाल नहीं पा रहे हैं।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रपति मुर्मू ने तमिलनाडु विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक वापस किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तमिलनाडु मद्रास विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस भेज दिया है। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति का अधिकार राज्य सरकार को देने का प्रावधान किया गया था। एक आधिकारिक सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तमिलनाडु विधानसभा ने इस विधेयक को अप्रैल 2022 में पारित करके राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा था। इसका उद्देश्य 168 वर्ष पुराने विश्वविद्यालय पर नियंत्रण प्राप्त करना था। वर्तमान में विश्वविद्यालय पिछले दो वर्षों से अधिक समय से बिना किसी स्थायी कुलपति के संचालित हो रहा है।

इस विधेयक के जरिये मद्रास विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन करने का प्रयास किया गया था। इस संशोधन के माध्यम से कुलपति की नियुक्ति और उन्हें पद से हटाने का अधिकार राज्यपाल (पदेन कुलाधिपति) से राज्य सरकार को देने का प्रस्ताव था। इसके लिए अधिनियम में 'कुलाधिपति' शब्द को सरकार' शब्द से प्रतिस्थापित किया जाना था।

अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति ने हाल ही में विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस भेज दिया है। इससे पहले, राज्यपाल आर. एन. रवि ने इस विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने यह आशंका जतायी थी कि राज्य सरकार का यह प्रस्तावित कदम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों और कुलपति नियुक्ति से जुड़े स्थापित मानदंडों के साथ विरोधाभास में हो सकता है।

अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति द्वारा विधेयक वापस किए जाने के बाद अब तमिलनाडु विधानसभा को इस प्रस्तावित कानून पर पुनर्विचार करना होगा। राज्य के कुल 22 विश्वविद्यालयों में से लगभग 14, जिनमें मद्रास विश्वविद्यालय भी शामिल है, नियमित कुलपतियों की अनुपस्थिति में संयोजक समितियों के तहत संचालित हो रहे हैं।

रामेश्वरम में हुआ काशी तमिल संगमम 4.0 का समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामेश्वरम/चेन्नई। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख सांस्कृतिक एकीकरण पहल, काशी तमिल संगमम 4.0 का समापन समारोह 30 दिसम्बर को रामेश्वरम में आयोजित किया गया। यह अवसर ऐतिहासिक महत्व रखता है क्योंकि यह पहली बार है जब काशी तमिल संगमम का विदाई समारोह तमिलनाडु में आयोजित किया गया था, जो प्रतीकात्मक रूप से काशी से रामेश्वरम तक की पवित्र सभ्यतागत यात्रा को पूरा करता है। वाराणसी में 2 से 15 दिसंबर तक आयोजित काशी तमिल संगमम 4.0 में देश भर से छात्र, शिक्षाविद, कलाकार, लेखक और सांस्कृतिक कार्यकर्ता एक साथ आए। इस कार्यक्रम ने तमिलनाडु और काशी के बीच गहरे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, भाषाई और दार्शनिक संबंधों का जश्न मनाया और भारत की सभ्यतागत एकता और साझा विरासत की पुष्टि की।

इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सूचना एवं प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन और आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामाकोटी सहित अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति और हितधारक भी उपस्थित थे।

समापन भाषण देते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा, काशी और रामेश्वरम के दो पवित्र नगरों का अटूट बंधन है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन समारोह काशी में और समापन समारोह तमिलनाडु के रामेश्वरम में आयोजित करने की परिकल्पना की और आप सभी को आमंत्रित किया। भारत के दीर्घकालीन इतिहास में अपने विशेष स्थान के कारण काशी विश्व की आध्यात्मिक राजधानी है। इसके अलावा, राधाकृष्णन ने कहा, यह भी उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के स्थल पर आयोजित किया जा रहा है। पिछले संस्करणों की तरह, आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने उत्तर प्रदेश सरकार और संस्कृति, रेलवे, वस्त्र और पर्यटन सहित कई केंद्रीय मंत्रालयों के सहयोग से काशी तमिल संगमम 4.0 को लागू करने के लिए नोडल संस्थानों के रूप में कार्य किया।

राज्यपाल रवि ने कहा, काशी तमिल संगमम 4.0 के दौरान शुरू की गई 'तमिल करकलाम' पहल के माध्यम से भारत के विभिन्न हिस्सों से हजारों छात्रों ने तमिल भाषा सीखी। साथ ही, 300 उत्तर भारतीय छात्र तमिल सीखने के लिए तमिलनाडु आए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, काशी तमिल संगमम् एक अमूर्त अवधारणा के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत और साझा अनुभव के रूप में सभ्यतागत विचार को साकार करता है। काशी तमिल संगमम् 4.0 का विषय तमिल भाषा सीखना है। यह पहल एक स्पष्ट सभ्यतागत उद्देश्य को दर्शाती है। तमिल सीखना केवल भाषा का ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि यह भारत के प्राचीन ज्ञान के द्वार खोलता है। तमिल के माध्यम से, व्यक्ति नैतिकता और शासन की परंपराओं से परिचित होता है और गणित, खगोल विज्ञान के विचारों से जुड़ता है तथा चिकित्सा, पारिस्थितिकी, वास्तुकला और साहित्य में अंतर्दृष्टि प्राप्त करता है। उन्होंने आगे कहा, समावेशिता के प्रति यह प्रतिबद्धता, जहाँ विरासत सभी की है, काशी तमिल संगमम जैसी पहलों के मूल में निहित है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना को दर्शाती है। जैसे-जैसे हम 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहे हैं, विकास को केवल आर्थिक संकेतकों से नहीं मापा जा सकता। स्पष्टता ही नवाचार, नेतृत्व और इस राष्ट्र के भविष्य को आकार देती है।

समापन समारोह के अंतर्गत, भारत के उपराष्ट्रपति ने तमिल विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं को उजागर करने वाले कई महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन किया। इनमें वलयपेट्टई रा. कृष्णन द्वारा लिखित 'तमिलनाडु के रामार मंदिर (तमिल और हिंदी संस्करण), डॉ. एस. बालुसामी द्वारा लिखित 'तमिलनाडु की लकड़ी की नक्काशी (तमिल), समावेशिता और सुलभता को बढ़ावा देने वाली 'तिरुक्कुरल की सांकेतिक भाषा व्याख्या' और डॉ. के. हरि और डॉ. के. हेमा हरि द्वारा लिखित 'ऋषि अगस्त्य – तमिल का अगम' और 'तमिलगाम' शामिल हैं। ये सभी रचनाएँ मिलकर तमिल सांस्कृतिक चिंतन की समृद्धि और भारत के आध्यात्मिक परिदृश्य पर इसके स्थायी प्रभाव को दर्शाती हैं।

इससे पहले बोलते हुए सूचना एवं प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री एल. मुरुगन ने कहा, मैं इस कार्यक्रम में आए सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करता हूं। यह वार्षिक कार्यक्रम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विश्वभर में तमिल भाषा पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। 'तमिल कारकलम' पहल के तहत काशी में तमिल शिक्षकों ने तमिल भाषा का अध्यापन किया।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी ने कहा, रामेश्वरम में आयोजित काशी तमिल संगम का समापन समारोह काशी और रामेश्वरम के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध को दर्शाता है। भगवान राम द्वारा पूजित पूजनीय शिव मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर, अयोध्या और रामेश्वरम के बीच एक गहरा संबंध स्थापित करता है। यह आयोजन एक महीने तक चले कार्यक्रम की परिणति है, जिसके दौरान विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत लगभग 1,500 प्रतिभागियों ने तमिलनाडु से काशी की यात्रा की। इसके अलावा, प्रोफेसर वी. कामाकोटी ने कहा, 'तमिल करकलम' पहल के तहत, तमिलनाडु के शिक्षकों ने काशी जाकर स्कूली और कॉलेज के छात्रों को तमिल पढ़ाया। साथ ही, विद्या शक्ति मंच के माध्यम से हमने उत्तर प्रदेश स्थित अपने केंद्रों में हजारों बच्चों को तमिल पढ़ाया। इसके अतिरिक्त, लगभग 300 बच्चे उत्तर प्रदेश से चेन्नई और तमिलनाडु के अन्य हिस्सों में तमिल सीखने के लिए गए। तमिल करकलाम एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एकता पहल है जिसका उद्देश्य उत्तर भारत के लोगों को तमिल सीखने और बोलने के लिए प्रोत्साहित करना है। ये सभी पहलें 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के बैनर तले संचालित की गईं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तिरुपति मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मंगलवार को पूजा-अर्चना की। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) के अधिकारियों ने रेवंत रेड्डी का स्वागत किया और बाद में वे उन्हें दर्शन के लिए ले गए। टीटीडी के एक अधिकारी ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने आज तड़के भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। टीटीडी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और वे उन्हें दर्शन के लिए ले गए।'' दर्शन के बाद पुजारियों ने उन्हें रंगनायकुला मंडपम में रेशमी वस्त्र भेंट किया और 'भगवान का प्रसादम' प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने ये दर्शन वैकुंठ एकादशी (वैकुंठ द्वार दर्शन) के अवसर पर किए। टीटीडी के अनुसार इस अवसर पर 'वैकुंठ द्वारम' खोला गया और यह 10 दिन बाद (आठ जनवरी, 2026) बंद कर दिया जाएगा। इस शुभ अवधि को छोड़कर 'वैकुंठ द्वारम' पूरे वर्ष बंद रखा जाता है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू, आंध्र प्रदेश की आदिवासी कल्याण मंत्री एस सविता, खदान मंत्री के. रविंद्र और अभिनेता चिरंजीवी सहित अन्य लोगों ने भी दर्शन किए। टीटीडी तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक निकाय है। तिरुपति को दुनिया का सबसे समृद्ध हिंदू तीर्थस्थल माना जाता है।

युवाओं के कार्य देश की एकता और अखंडता के प्रति सम्मान से निर्देशित होने चाहिए : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने युवाओं को उनके संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने की आवश्यकता की याद दिलाते हुए मंगलवार को कहा कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनके कार्य देश की विविधता के प्रति सम्मान तथा उसकी एकता और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता से निर्देशित होने चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के युवा भविष्य की प्रतीक्षा नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे स्वयं भविष्य हैं, और उनके सपनों में एक विकसित भारत की रूपरेखा निहित है।

उपराष्ट्रपति ने यहां मार इवानियोस कॉलेज के प्लेटिनम जुबली समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा कि जब युवा आराम की जगह उत्कृष्टता, स्वार्थ की जगह सेवा और संकीर्ण हितों की जगह राष्ट्र को चुनते हैं, तभी भारत का उत्थान होता है। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा सभी के लिए अनिवार्य है और इस संबंध में वर्तमान पीढ़ी को जो अवसर प्राप्त हैं, वे उनके पूर्ववर्तियों को नहीं मिले थे। उपराष्ट्रपति ने युवा पीढ़ी से कहा, हमारा संविधान हमें अधिकार प्रदान करता है, लेकिन साथ ही साथ हमारे मौलिक कर्तव्यों, विविधता के प्रति सम्मान, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और भारत की एकता और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। एक जीवंत लोकतंत्र के नागरिक के रूप में ये कर्तव्य आपके कार्यों का मार्गदर्शन करने चाहिए।

राधाकृष्णन ने कहा कि अपने हृदय में साहस, मन में जिज्ञासा और कार्यों में करुणा के साथ, युवा भारतीय चुनौतियों को अवसरों में बदलने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने कहा, एक विकसित भारत का निर्माण केवल सत्ता के गलियारों में ही नहीं होगा, बल्कि कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों, कारखानों, स्टार्टअप्स और गांवों में – युवा हाथों और उनके जज्बे के बल पर होगा। राधाकृष्णन ने यह भी कहा कि राष्ट्र का आह्वान स्पष्ट है – निडर होकर सपने देखो, अथक परिश्रम करो और निस्वार्थ भाव से नेतृत्व करो। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मार इवानियोस कॉलेज जैसे संस्थान समाज में बौद्धिक रूप से सक्षम और नैतिक रूप से सुदृढ़ व्यक्तियों को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने के प्रति संस्थान की सतत प्रतिबद्धता की भी प्रशंसा की।

अभिनेता मोहनलाल की मां का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। अभिनेता मोहनलाल की मां शांताकुमारी अम्मा का मंगलवार को उनके आवास पर उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। वह 90 वर्ष की थीं। मोहनलाल की मां कई वर्षों से विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं और उनका इलाज किया जा रहा था। खबरों के अनुसार, उनके निधन के समय अभिनेता घर पर मौजूद नहीं थे।

अभिनेता ममूटी सहित मोहनलाल के करीबी दोस्तों और उनके कई सहयोगियों ने बाद में उनके आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोहनलाल के पिता विश्वनाथन नायर एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी थे और उनका निधन कई साल पहले हो गया था। मोहनलाल ने फिल्म उद्योग में अपनी सफलता का श्रेय अक्सर अपने माता-पिता को दिया है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और विधानसभा अध्यक्ष ए. एन. शमशीर सहित कई अन्य लोगों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन ने श्रद्धालुओं के पूजा के अधिकार को लेकर द्रमुक सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) कार्तिगई दीपम दीप प्रज्वलन मामले में उच्च न्यायालय के फैसले का पालन नहीं कर संविधान और बी. आर. अंबेडकर का 'अपमान' कर रही है। उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार ने न केवल मुरुगन भक्तों को दीप प्रज्वलित करने से रोका, बल्कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को भी वापस भेज दिया जो तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी की चोटी पर एक स्तंभ पर दीप प्रज्वलित करने जा रहे भक्तों के साथ गए थे।

मुरुगन ने यहां पत्रकारों से कहा, ''भारत का संविधान व्यक्तिगत पूजा के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में गारंटी देता है। इसके निर्माता बी आर अंबेडकर ने भी इसका समर्थन किया था। द्रमुक को श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठान करने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।'' उन्होंने कहा कि भगवान मुरुगन के भक्त द्रमुक से इस बात पर 'नाराज' हैं कि उसने उन्हें 'पूजा करने से रोक दिया' और तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर दीपक जलाने की अनुमति देने वाले एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मुरुगन ने यहां तिरुपरनकुंड्रम में अरुलमिघु सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर में पूजा करने के बाद कहा, ''मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के फैसले को लागू करने के बजाय, द्रमुक ने इस मामले में न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन के फैसले को लेकर उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की कोशिश की।'' उन्होंने अगले साल के आरंभ में होने वाले विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा, द्रमुक संविधान का हनन कर रही है... भगवान मुरुगन इस अत्याचार और अराजकता को देख रहे हैं। द्रमुक को सबक सिखाने और उनके शासन का अंत करने में अब बस कुछ ही समय बाकी है। उन्होंने कहा, ''मैंने तिरुप्परनकुंड्रम के भगवान मुरुगन से प्रार्थना की है कि वह एम.के. स्टालिन (मुख्यमंत्री) को सद्बुद्धि दें। इतिहास गवाह है कि जो लोग भगवान के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी समृद्ध नहीं होते। भक्तों की लंबे समय से यही इच्छा रही है कि कार्तिगई दीपम पर दीपक प्रज्वलित किया जाए।''

राजभाषा पुरस्कार योजना पर साहित्य का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के रेल प्रबंधक शैलेंद्र सिंह ने अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से राजभाषा पुरस्कार योजनाएं नामक सहायक साहित्य का 30 दिसम्बर को विमोचन किया।

इस साहित्य में रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए गृह मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड की विभिन्न योजनाओं का विस्तारपूर्वक विवरण है।

इस सहायक- साहित्य से कर्मचारी राजभाषा हिंदी के प्रति और आकर्षित होंगे और राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में तत्पर होंगे। बैठक का संचालन एन इंद्रजीत, राजभाषा अधिकारी, चेन्नै मंडल ने किया।

भाजपा ने तमिलनाडु में ओडिशा के युवक पर हमले के लिए द्रमुक सरकार की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु में चलती ट्रेन में ओड़िशा के एक व्यक्ति पर हुए क्रूर हमले को लेकर राज्य की द्रमुक सरकार की मंगलवार को कड़ी आलोचना की। भाजपा की ओडिशा इकाई के प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने तमिलनाडु में कानून व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त हो जाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि द्रमुक सरकार अपराधियों को बचा रही है तथा वह सार्वजिनक स्थानों पर भी लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराने में 'विफल' रही है।

उन्होंने कहा कि शनिवार को ओडिशा निवासी 20 वर्षीय सूरज चेन्नई-तिरुट्टानी ईएमयू लोकल ट्रेन के सामान्य डिब्बे में यात्रा कर रहा था, उसी दौरान चार नाबालिगों ने कथित तौर पर उसपर हमला किया था। उन्होंने मामले की त्वरित सुनवाई की मांग की। बिस्वाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''तमिलनाडु में ओडिशा के एक युवक पर हंसिया से बेरहमी से हमला किया गया है। तमिलनाडु सरकार को इन आपराधिक हमलावरों को कड़ी सजा देनी चाहिए। तमिलनाडु में कानून व्यवस्था बेहद खराब है। श्रीमान: एम के स्टालिन, क्या द्रमुक सरकार अपना प्रभाव खो चुकी है?''

बिस्वाल ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में ओडिशा के एक युवक पर कुछ लोग बेरहमी से हमला करते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''....इस वीडियो में हमलावर हमले के बाद विजय चिह्न बनाते हुए नजर आ रहे हैं। इससे क्या संकेत मिलता है? ऐसा लगता है कि तमिलनाडु सरकार का राज्य में कानून-व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं है।''

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''ओडिशा प्रदेश भाजपा घटना की त्वरित जांच और तमिलनाडु के गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करती है। यह घटना अत्यंत निंदनीय है।'' इस बीच, सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु पुलिस ने ओडिशा के युवक पर हमला करने के आरोप में चार नाबालिगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सूत्रों के अनुसार, सूरज ट्रेन से सफर रहा था और ट्रेन तिरुवलंगडु पहुंची, तो चार नाबालिगों ने उसकी गर्दन पर हंसिया रख दी।

सूत्रों का कहना है कि ये नाबालिग कथित रूप से नशे में थे और वे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के वास्ते रील बनाने के लिए अपने बैग में दो हंसिया छिपाकर रखे हुए थे। सूत्रों के मुताबिक सूरज ने जब उनके द्वारा उसकी गर्दन पर हंसिया रखने का विरोध किया तो उन्होंने उस पर हमला कर दिया। ट्रेन के तिरुत्तानी रेलवे स्टेशन पहुंचने तक उनके बीच बहस चलती रही। इसके बाद ये किशोर सूरज को जबरदस्ती पास के एक सुनसान रेलवे क्वार्टर में ले गए, जहां उन्होंने कथित तौर पर उस पर हमला किया और उसे घायल छोड़कर फरार हो गए।

तमिलनाडु पुलिस ने बताया है कि उनमें से एक व्यक्ति ने घटना का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। बाद में सूरज का उपचार के लिए तिरुत्तानी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया फिलहाल वह तिरुवल्लूर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहा है। आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आपराधिक धमकी के आरोप में मामला दर्ज किया है।

SBI भारतीय स्टेट बैंक
स्थानीय प्रधान कार्यालय,
16 कॉलेज लेन, नुंगमबक्कम, चेन्नई-600006

हाउसकीपिंग एवं रखरखाव सेवाओं / कैटरिंग एवं केयरटेकिंग सेवाओं के पैनल तैयार करने लिए

एसबीआई निम्नलिखित कार्यों पैनल तैयार करने लिए आवेदन आमंत्रित करता है : ए) एसबीआई के कार्यालयों / शाखाओं / एसबीआईएलडी / आवासों तथा अन्य प्रतिष्ठानों की हाउसकीपिंग एवं रखरखाव के लिए फैसिलिटी मैनेजमेंट एजेंसियां (तथा) बी) तमिलनाडु और पुदुचेरी में एसबीआई के कार्यालयों / गेस्ट हाउस /ट्रांज़िट हाउस / एसबीआईएलडी / आरएसईटीआई में कैटरिंग एवं केयरटेकिंग सेवाओं के लिए समग्र कैटरिंग सह केयरटेकिंग एजेंसियां। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, चेन्नई, उपर्युक्त कार्यों हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। अधिक विवरण एवं आवेदन पत्र डाउनलोड करने के लिए कृपया लॉग ऑन करें - https://sbi.bank.in-SBI in the news "show more के अंतर्गत >Empanelment of Vendors. यदि कोई संशोधन होगा, तो वह केवल हमारी वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एसबीआई मंडल सर्कल की सभी वर्तमान पैनल में शामिल एजेंसियों को पुनः आवेदन करना होगा।

आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 29.01.2026 है।

स्थान : चेन्नई,
दिनांक : 31.12.2025

सहायक महाप्रबंधक
(परिसर एवं संपत्ति)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
क.रा.बी.नि E.S.I.C

क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै - 600034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai - 600034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in/www.rotamilnadu.esic.gov.in

अनुबंध के आधार पर अभियंताओं की नियुक्ति

क.रा.बी.निगम, तमिलनाडु क्षेत्र में सहायक अभियंता (सिविल) और कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल)/ (सिविल) के रूप में अनुबंध के आधार पर नियुक्ति के लिए सेवानिवृत्त अभियंताओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं :

आवश्यक अभियंताओं की संख्या:

1	सहायक अभियंता (सिविल)	क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै के लिए 1 पद
2	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै के लिए 2 पद क.रा.बी.निगम, चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, के.के. नगर, चेन्नै के लिए 1 पद क.रा.बी.निगम अस्पताल, तिरुपुर के लिए 1 पद
3	कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै के लिए 1 पद क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, के.के. नगर, चेन्नै के लिए 2 पद क.रा.बी.निगम अस्पताल, तिरुपुर के लिए 1 पद

अनुबंध की अवधि **एक वर्ष अथवा इन पदों के लिए नियमित भर्ती की प्रक्रिया पूरी होने तक, जो भी पहले हो, के लिए होगी।**

साक्षात्कार दिनांक **06.01.2026** को अपराह्न **02.00 बजे** आयोजित किया जाएगा।

स्थान: कर्मचारी राज्य बीमा निगम,क्षेत्रीय कार्यालय (तमिलनाडु), पंचदीप भवन,143, स्टर्लिंग रोड, नुंगम्बाक्कम, चेन्नै-600 034.

शैक्षणिक और अन्य योग्यताएं, आयु, आवेदन प्रारूप और अन्य विवरणों के लिए हमारी वेबसाइट www.esic.gov.in पर जाएं।

क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी)

भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों का जयपुर कूच, फसल खरीद और बीमा भुगतान की मांग पर विशाल महापंचायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में निकल जा रहे एक्सप्रेस हाईवे के लिए किसने की जमीनों का अधिग्रहण करने के विरोध और कृषि से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर किसान महापंचायत के आह्वान पर राजधानी जयपुर में मंगलवार को विशाल किसान रैली का आयोजन किया गया। रैली की अध्यक्षता किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने की। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि किसान अन्नदाताओं की जमीन को लेकर मुट्ठी भर लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए उनके संचित भूमि का अधिग्रहण कर रहे हैं जबकि प्रदेश की सड़कों की मरम्मत तक करने के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है यदि सरकार पहले से तैयार सड़कों की समय पर उचित देखभाल एवं मरम्मत करें तो एक्सप्रेस हाईवे की जरूरत ही नहीं पड़े।

रैली का मुख्य मुद्दा किसानों की भूमि के अधिग्रहण को लेकर बढ़ती चिंताएं रहीं। किसानों का कहना था कि विकास परियोजनाओं के नाम पर उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे उनकी आजीविका पर सीधा संकट खड़ा हो गया है। महापंचायत में फसलों की सरकारी खरीद को लेकर भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए गए। किसानों ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की घोषणाएं तो की जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर खरीद केंद्रों की संख्या कम है और भुगतान में अनावश्यक देरी हो रही है। वक्ताओं ने मांग की कि सभी प्रमुख फसलों की एमएसपी पर समयबद्ध खरीद सुनिश्चित की जाए और किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य तय समय में मिले। फसल बीमा योजना का मुद्दा भी रैली में प्रमुखता से उठा। किसानों का आरोप था कि प्राकृतिक आपदाओं और फसल खराबे के बावजूद बीमा कंपनियां समय पर मुआवजा नहीं दे रही हैं। कई किसानों को वर्षों से बीमा राशि का इंतजार करना पड़ रहा है। महापंचायत ने मांग की कि फसल बीमा योजना के तहत लंबित भुगतान तुरंत किए जाएं और नुकसान का आकलन पारदर्शी तरीके से हो।

रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि किसान देश की रीढ़ है, लेकिन आज वही किसान अपने हक के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उन्होंने किसानों से एकजुट रहने और शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। रैली के दौरान किसानों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर नारेबाजी की। महापंचायत के प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपकर भूमि अधिग्रहण पर रोक, फसल की सरकारी खरीद, फसल बीमा योजना का भुगतान, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और किसानों पर दर्ज मामलों को वापस लेने जैसी मांगें रखीं। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन किसानों ने साफ कर दिया कि मांगें पूरी नहीं होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

राजस्थान में रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी, 31 दिसंबर को हल्की बारिश की संभावना

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछली रात सीकर जिले के फतेहपुर में सबसे कम तापमान, चार डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद टोंक के वनस्थली का रात का तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा। सीकर में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पाली में यह 6.9 डिग्री, अलवर और पिलानी में सात-सात डिग्री, चुरू में 7.2 डिग्री, झुंझुनूं में 8.2 डिग्री और जयपुर में 10 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण 31 दिसंबर को बीकानेर, जोधपुर, अजमेर मंडल और शेखावाटी क्षेत्र में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इसके बाद बीकानेर, जयपुर और भरतपुर मंडलों में एक जनवरी को हल्की बारिश होने की संभावना है जबकि दो जनवरी से मौसम फिर से शुष्क रह सकता है।

विभाग के अनुसार, एक से तीन जनवरी तक राज्य के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। अधिकारियों ने बताया कि दो से चार जनवरी के बीच शेखावाटी क्षेत्र में शीतलहर के हालात बन सकते हैं और इस दौरान न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

रामजल सेतु लिंक परियोजना सहित अन्य कार्यों में लाएं तेजी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को जल क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सरकार ने कार्यकाल की शुरुआत से ही अनेक महत्वपूर्ण जल एवं सिंचाई परियोजनाओं की पहल की है ताकि प्रदेशवासियों को पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रामजल सेतु लिंक परियोजना सहित अन्य कार्यों में और तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन और किसानों तक जल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सिंचाई परियोजनाओं एवं विकास कार्यों को नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य के समग्र विकास में जल एक मूलभूत आवश्यकता है। इसी दृष्टि से सरकार ने जल स्रोतों के विकास, उनकी संग्रहण क्षमता बढ़ाने तथा जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से प्रदेश की बड़ी आबादी को निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। परियोजना के चरणबद्ध कार्यों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि परियोजना के अन्तर्गत लगभग 9400 करोड़ रुपये की लागत के 3 प्रगतिरत कार्यों में से रामगढ बैराज एवं महलपुर बैराज के काफर डेम एवं ड्रेनेज चैनल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नवनेरा बैराज से पानी को बीसलपुर एवं ईसरदा बांध में अपवर्तन करने के लिए चम्बल नदी पर एक्वाडेक्ट तथा मेज से गलवा, गलवा से ईसरदा बीसलपुर फीडर के कार्य भी प्रगतिरत हैं।

उन्होंने बताया कि रामजल सेतु परियोजना के अन्तर्गत बीसलपुर से मोर सागर (अजमेर), ईसरदा से बंध बारैठा (भरतपुर), ईसरदा से रामगढ (जयपुर), खुरा चैनपुरा से जयसमंद (अलवर) एवं ब्राह्मणी बैराज के लगभग 14 हजार 600 करोड़ रुपये के पांच कार्य भी शीघ्र आरम्भ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अन्य परियोजनाओं के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जल संसाधन विभाग एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सफल आयोजन के लिए सभी विभाग समन्वय से करें कार्य : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 का राज्य स्तरीय समारोह हर वर्ष की तरह हर्षोल्लास, उमंग के साथ भव्यता और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करें। श्रीनिवास ने अधिकारियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी प्रमुख भवनों, दर्शनीय स्थलों तथा राजकीय कार्यालयों व प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर आकर्षक सजावट करने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा।

मुख्य सचिव ने राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम की तैनाती, सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने सभी स्थानों पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां तथा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संपन्न करवाई जाएं। उन्होंने पुलिस, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, सार्वजनिक निर्माण, शिक्षा तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य कर अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही, लोकभवन में आयोजित होने वाले एट होम कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव, सामान्य प्रशासन नवीन जैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मुख्य समारोह में कार्यक्रमों की श्रृंखला में जर्मन ड्रिल का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 1200 छात्र-छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही, इस वर्ष एमजीडी सहित प्रमुख बैण्ड्स द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

त्रिपुरा के छात्र की हत्या देश में नफरत की स्थिति में 'चिंताजनक वृद्धि' को दर्शाती है : गहलोत

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के वरिष्ठ नेताओं अशोक गहलोत और सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या देश में नफरत में 'चिंताजनक वृद्धि' को दर्शाती है। दोनों नेताओं ने दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की। त्रिपुरा के उनाकोटि जिले के छात्र एंजेल चकमा (24) पर नौ दिसंबर को छह लोगों के एक समूह ने हमला कर दिया था, जब वह खुद पर और अपने छोटे भाई पर की गईं नस्लीय टिप्पणियों का विरोध कर रहा था। चकमा ने 26 दिसंबर को अस्पताल में दम तोड़ दिया। उत्तराखंड पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक चिकित्सा रिपोर्ट से पता चलता है कि हमले में चकमा की रीढ़ की हड्डी और सिर पर घातक चोट लगी थी।

गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह घटना देश में नफरत और असहिष्णुता में 'चिंताजनक वृद्धि' को दर्शाती है। पायलट ने कहा कि यह देखना बेहद परेशान करने वाला है कि कैसे नफरत फैलाने वाले निर्दोष लोगों की जान ले रहे हैं।

डूंगरपुर में दिशा की बैठक में भाजपा और बीएपी सांसदों के बीच झड़प

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर में सोमवार को जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में उदयपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मन्नालाल रावत और बांसवाड़ा के बीएपी सांसद राजकुमार रोत के बीच तीखी नोकझोंक के बाद जोरदार हंगामा हुआ।

बैठक जिला परिषद के ईडीपी हॉल में आयोजित की गयी। बैठक शुरू होने के कुछ ही देर बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई क्योंकि बैठक की अध्यक्षता कर रहे भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद रोत ने सूचीबद्ध एजेंडे से बाहर और राज्य सरकार से संबंधित मुद्दों को उठाना शुरू कर दिया। इस पर आपत्ति जताते हुए रावत ने जोर देकर कहा कि दिशा की बैठक में एजेंडे के मुताबिक केंद्र सरकार की योजनाओं से जुड़े मामलों पर चर्चा होनी चाहिए।

चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की आर्थिक धुरी ही नहीं, विश्वास और नैतिकता के मजबूत स्तंभ बनें : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंटस का आव्हान किया है कि वे भारत की आर्थिक व्यवस्था की धूरी ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप विश्वास, नैतिकता, अवसर और प्रौद्योगिकी के मजबूत स्तम्भ भी बने। देवनानी मंगलवार को जयपुर के बिडला ऑडिटोरियम सभागार में द इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इण्डिया (आईसीएआई) की जयपुर शाखा द्वारा फिडयूशिया (विश्वास) 2025 नैतिकता, अवसर, प्रौद्योगिकी और स्थिरता विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि यह सम्मेलन भारत की तीव्र गति से उभरती अर्थव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए बहुत प्रांसगिक और सारगर्भित है। उन्होंने कहा कि आज का भारत अवसरों से भरा हुआ भारत है। आज हमारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ रहा है। चाहे वह डिजिटल इंडिया के माध्यम से पारदर्शिता बढाना हो, जीएसटी के जरिए एकीकृत कर प्रणाली स्थापित करना हो, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से घरेलू उद्योगों को सशक्त करना हो, या फिर स्टार्टअप इंडिया के जरिए युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना हो। इन सभी प्रयासों के केंद्र में विश्वास और सुशासन है। प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा है कि सुधार केवल कानूनों से नहीं, बल्कि सोच से आते है और इस सोच को जमीन पर उतारने में आप जैसे पेशेवरों की भूमिका महत्वपूर्ण और निर्णायक साबित हो सकती है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक नीतियों, निवेश निर्णयों और कॉर्पोरेट गवर्नेंस में संतुलन स्थापित करने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस की भूमिका बहुत अहम है।

इसलिए उन्हें एक सजग प्रहरी के रूप में देशहित में अपने दायित्वों को निभाना होगा। इसी प्रकार ग्रीन बोन्डस, सस्टेनबेल फाईनेंस और ईएसजी रिपोर्टिंग के माध्यम से आप भारत के 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। इसके अलावा चार्टर्ड अकाउंटेंटस पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और सुशासन के भारतीय जीवन दर्शन के मूल्यों को व्यवहारिक रूप देने में भी सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकते है।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि तकनीक के इस युग में हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे है जहां आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस, डेटा एनॉलिटिक्स और ऑटोमिशन ने काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है।

उपनिषेदों का भाव हमें यह सिखाता है कि ज्ञान तभी पूर्ण होता है जब उसके साथ विवेक जुडा हो। तकनीक यदि विवेक से अलग हो जाएं तो वह सुविधा नहीं संकट बन जाता है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक को अपनाएं लेकिन अपने निर्णयों को मानवीय संवेदना, नैतिकता और अनुभव से संचालित करें। कोई भी मशीन यह तय नहीं कर सकती कि सही और गलत के बीच नैतिक अन्तर क्या है। यह जिम्मेदारी पूर्ण रूप से मानव विवेक पर ही निर्भर करती है।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारत की विकास यात्रा केवल बडे उद्योगों के सहारे पूरी नहीं हो सकती। भारत की असली ताकत उसके एम.एस.एम.ई, स्टार्टअप्स और गांवों और कस्बों में बसे छोटे उद्योमियों में विद्धमान है। राजस्थान की भूमि इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है जहां कारीगिरी परम्परा और उद्यमशिलता एक साथ चलती है। यहां छोटे उद्योग केवल रोजगार का साधन नहीं बल्कि सांस्कृतिक पहचान का माध्यम भी है। इन उद्यमों को सही दिशा, वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालीन दृष्टि देने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

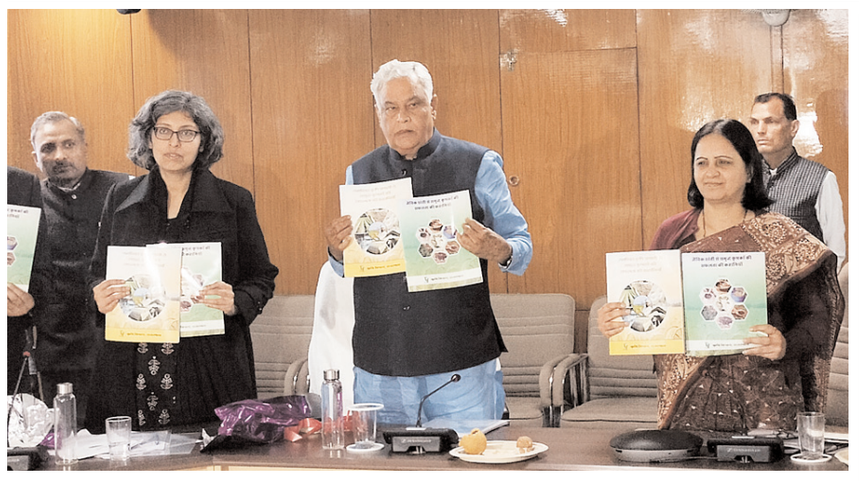

बीज विधेयक 2025-किसान हितों की रक्षा में ऐतिहासिक कदम : किरोड़ी लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित बीज विधेयक 2025 पर मंगलवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल की अध्यक्षता में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीज विधेयक 2025 के विभिन्न प्रावधानों, उनके व्यावहारिक प्रभाव तथा किसानों को होने वाले प्रत्यक्ष लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि यह विधेयक किसानों के अधिकारों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने वाला एक दूरदर्शी कानून सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और बीज विधेयक 2025 से खेती में सुधार और प्रदेश की पैदावार में आशातीत वृद्धि होगी। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और हमारा कृषक आत्म निर्भर बन सकेगा।

उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्री द्वारा इस वर्ष कृषि उर्वरक, बीज व पैस्टिसाइड बनाने वाले विनिर्माताओं एवं विक्रेताओं की जाँच की गई जिसमें काफी अनियमितताएं पाई गईं इसके साथ ही उन्होंने किसानों को आ रही परेशानियों को भी धरातल पर जाकर सुना और समझा। जिससे डॉ किरोड़ी लाल ने सबसे पहले केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को सीड बील में बदलाव करने के लिए पत्र लिखकर बीज में मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने के लिए सुझाव दिया और केंद्र सरकार द्वारा इनकी बात मानते हुए सीड बिल 2025 लाया गया। अब जल्द ही उर्वरक व पेस्टिसाइड बिल भी लाये जा रहे हैं।

युवा कांग्रेस ने अरावली मुद्दे पर मंत्री भूपेंद्र यादव के इस्तीफे की मांग की

जयपुर। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने मंगलवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि मंत्रालय से आई अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा की प्रस्तावित योजना का उद्देश्य अरावली श्रृंखला को समाप्त करना था। चिब ने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय ने अपने हालिया निर्णय में अरावली की परिभाषा पर अपने पूर्व आदेश को स्थगित कर दिया, और इस निर्णय ने परिभाषा के बचाव के मंत्री के रुख को भ्रामक साबित कर दिया है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा, मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि न्यायालय के फैसले से स्पष्ट हो गया है कि वह सच नहीं बता रहे थे और लोगों को गुमराह कर रहे थे। सोमवार को आए उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए चिब ने इसे जनता की जीत बताया। उन्होंने केंद्र सरकार से अरावली पर्वतमाला को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने की मांग भी की। चिब ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस शासन में बने राष्ट्रीय संसाधनों और संस्थानों को बेच रही है।

कांग्रेस सरकारों द्वारा बनाए गए संसाधनों और संस्थानों को प्रधानमंत्री के कॉर्पोरेट मित्र अदाणी को बेचने के बाद, भाजपा सरकार प्राकृतिक संपत्तियों की ओर बढ़ी और अरावली श्रृंखला को बेचने की साजिश कर रही थी।

अरुणाचल प्रदेश के लिए सूर्योदय महोत्सव में अपार संभावनाएं : खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मंगलवार को कहा कि सूर्योदय महोत्सव न केवल सीमावर्ती अंजॉ जिले के लिए, बल्कि पूरे राज्य के लिए पर्यटन क्षेत्र में अपार संभावनाएं रखता है। अंजॉ के डोंग गांव में आयोजित सूर्योदय महोत्सव राज्य में ऐसा पहला नव वर्ष उत्सव है, जो भारत में सबसे पहले होने वाले सूर्योदय का गवाह बनने के अनूठे अनुभव के इर्द-गिर्द केंद्रित है। खांडू ने सूर्योदय महोत्सव के उद्घाटन दिवस को ''जादुई अनुभव'' करार दिया।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर महोत्सव स्थल की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि डोंग में सुबह के शुरुआती घंटे, जो योग और ध्यान को समर्पित रहे, देश के सबसे पूर्वी छोर की शांति, सुंदरता और आध्यात्मिक ऊर्जा को दर्शाते हैं। खांडू ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री चाउना मीन के साथ डोंग में पांच दिवसीय सूर्योदय महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव की परिकल्पना एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ की गई है, ताकि स्थानीय उद्यमियों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर पैदा किए जा सकें।

खांडू ने कहा कि इसका उद्देश्य जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना और इस सुदूर सीमावर्ती जिले में छोटे व्यवसायों को विकसित करने में मदद करना है। उन्होंने कहा, दस साल बाद हमारा लक्ष्य इस महोत्सव को और भी व्यापक रूप से उभरते देखना है। हम 'कोई कचरा न छोड़ें, कोई निशान न छोड़ें' पहल का सख्त अनुपालन भी सुनिश्चित करना चाहते हैं।

भाजपा-आरएसएस ने नफरत का जहर घोला, चकमा की हत्या इसी का परिणामः युवा कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने त्रिपुरा के युवक एंजेल चकमा की देहरादून में हुई हत्या को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि यह घटना भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा देश में घोली जा रही नफरत का परिणाम है। उन्होंने एक बयान में यह दावा भी किया कि इस तरह की घटनाओं में शामिल अपराधियों को भाजपा का संरक्षण मिलता है। चिब ने चकमा की हत्या का हवाला देते हुए आरोप लगाया, ''यह कोई अचानक हुआ अपराध नहीं है, यह उस नफरत का परिणाम है जिसे सालों से बोया गया, हर दिन दोहराया गया, और भाजपा के दौर में समाज का हिस्सा बना दिया गया। भाजपा और आरएसएस देश में नफरत का जहर घोल रहे हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''चकमा की हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में लगभग 12 दिन क्यों लग गए?'' युवा कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा, ''मामले को जल्दी से जल्दी अदालत में ले जाया जाए और दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले।''

बिहार : राजद ने जद(यू) सांसदों को मिले सरकारी आवास पर उठाए सवाल

पटना/भाषा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास से जुड़े विवाद के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने जनता दल (यूनाइटेड) के दो सांसदों को मिले सरकारी आवास का मुद्दा उठाया है। राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता नवल किशोर यादव ने बिहार के भवन निर्माण विभाग को पत्र लिखकर राज्यसभा सदस्य संजय झा और लोकसभा सदस्य देवेश चन्द्र ठाकुर को आवंटित सरकारी आवास को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

राजद प्रवक्ता ने पत्र में पूछा है कि दोनों सांसद अब भी बिहार सेंट्रल पूल के सरकारी आवास पर किस नियम और किन परिस्थितियों में काबिज हैं। राजद का दावा है कि ये आवास उन्हें उस समय आवंटित किए गए थे, जब वे मंत्री और सभापति के पद पर थे, लेकिन पद परिवर्तन के बावजूद अब तक आवास खाली नहीं कराए गए हैं। राजद ने यह भी सवाल उठाया है कि आखिर किस नियम के तहत इन आवासों को अब तक खाली नहीं कराया गया और क्या राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर सरकारी बंगले पर कब्जा बनाए रखा गया है। राज्य के भवन निर्माण विभाग की ओर से इस संबंध में स्थिति स्पष्ट नहीं किए जाने को लेकर भी पार्टी ने आपत्ति जताई है। राजद का कहना है कि सरकारी संपत्तियों के उपयोग में नियमों का समान रूप से पालन होना चाहिए और किसी भी तरह के विशेषाधिकार की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास को खाली करने का नोटिस भवन निर्माण विभाग ने दिया था। उन्हें नया आवास 39 हार्डिंग रोड पर आवंटित किया गया है, लेकिन राबड़ी देवी सरकारी आवास में जाने के बजाय अपने निजी घर में शिफ्ट हो रही हैं।

'चुनावी लाभ के लिए ममता बनर्जी घुसपैठ को बढ़ावा दे रहीं, बंगाल की जनसांख्यिकी बदली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है।

कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य एजेंडा होगा। उन्होंने कहा, हम न केवल घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। 15 अप्रैल, 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, क्योंकि जनता ने अपना मन बना लिया है।

शाह ने घोषणा की कि बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, इंसान छोड़ दीजिए, परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, इस प्रकार की मजबूत ग्रिड की रचना हम करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''ना केवल घुसपैठ रोकेंगे, सारे घुसपैठियों को चुन चुनकर भारत के बाहर निकालने का काम भी भाजपा की बंगाल सरकार करेगी।''

शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ''ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को दोषी ठहराती हैं। मैं उनसे इस सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती। आपकी सरकार जमीन नहीं देती, इसी वजह से सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं हो पा रहा है।''

पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी : तृणमूल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दो-तिहाई बहुमत हासिल किए जाने का उनका दावा निराधार है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने पत्रकारों से कहा कि शाह की टिप्पणियां खोखले दावों पर आधारित हैं। बसु ने दावा किया कि चुनाव में भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकेगी। बसु ने एक कार्यक्रम से इतर कहा, ''शाह एक पर्यटक की तरह आते-जाते रहेंगे। ऐसे दौरों से कोई लाभ नहीं होगा।'' बसु ने दावा किया, ''भाजपा विधानसभा चुनाव में 50 का आंकड़ा भी पार नहीं करेगी और उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा।'' इससे पहले शाह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा 2026 में ''दो-तिहाई बहुमत'' के साथ राज्य में अगली सरकार बनाएगी। शाह ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि भाजपा के राज्य में सत्ता में आने पर अवैध प्रवासियों को बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा, हम न केवल घुसपैठियों की पहचान करेंगे बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। 15 अप्रैल 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी क्योंकि जनता ने अपना मन बना लिया है। शाह ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर भी तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तंज कसा।

एसआईआर एआई का इस्तेमाल करके किया जा रहा एक बड़ा घोटाला है: ममता

बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से किया जा रहा एक बड़ा ''घोटाला'' है। बनर्जी ने कहा कि यदि मतदाता सूची से एक भी वैध मतदाता का नाम हटाया गया तो तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में निर्वाचन आयोग के कार्यालय का घेराव करेगी।

बनर्जी ने बांकुड़ा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर के नाम पर राज्य के लोगों को ''प्रताड़ित'' किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''एसआईआर के कारण करीब 60 लोगों की मौत हो गई। बुजुर्गों को दस्तावेज सत्यापन की सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अगर एक भी वैध मतदाता का नाम हटाया गया तो तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में निर्वाचन आयोग के कार्यालय का घेराव करेगी।'' बनर्जी ने कहा कि राज्य के लोग इस तरह के ''उत्पीड़न'' को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, ''लोग भाजपा को पश्चिम बंगाल में सत्ता में नहीं आने देंगे।'' बनर्जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव नजदीक आते ही 'सोनार बांग्ला' बनाने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में जिन राज्यों में वह सत्ता में है वहां बांग्ला बोलने वालों की पिटाई की जाती है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने एसआईआर प्रक्रिया के लिए दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग के कार्यालय में अपने सदस्यों को तैनात किया है।

हिमालय क्षेत्र से प्रवासी पक्षी भितरकनिका पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। हिमालयी क्षेत्र से प्रवासी पक्षियों ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में स्थित भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के आर्द्रभूमि स्थलों में जत्थों में पहुंचना शुरू कर दिया है। भितरकनिका के आर्द्रभूमि क्षेत्र एक बार फिर ठंडे उत्तरी गोलार्ध से आने वाले पक्षियों के लिए एक अनुकूल और मानव हस्तक्षेप से मुक्त शीतकालीन आवास के रूप में उभरे हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि सर्दियों के महीनों में ठंडी जलवायु परिस्थितियां इन प्रवासी प्रजातियों को अपने मूल निवास स्थल को अस्थायी रूप से छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। ओडिशा के चिल्का और भितरकनिका आर्द्रभूमि स्थल इन प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा ठिकाना है। अधिकारी के अनुसार, सर्दियों में आने वाले इन प्रवासी पक्षियों के विभिन्न जत्थों ने सतभैया, हवेलीखाती, एकाकुला और रायपतिया के जलस्रोतों और खाड़ियों में डेरा डालना शुरू कर दिया है। इन पक्षियों का आवास क्षेत्र लगभग दस किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है।

इस बार भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में पहुंचने वाले प्रमुख प्रवासी पक्षियों में इंडियन स्किमर्स, ग्रे पेलिकन, 'लेसर एडजुटेंट' (गरूड़ प्रजाति का छोटा रूप) और ग्रेटर स्पॉटेड ईगल शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि यहां देखे गए इन पक्षियों को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की 'रेड बुक' में संकटग्रस्त प्रजातियों में शामिल किया गया है इनके अलावा, इस बार देखे गए अन्य प्रमुख पक्षियों में काली पूंछ वाली चंचुकी (ब्लैक-टेल्ड गॉडविट), उत्तरी सीकपर, 'लेसर व्हिसलिंग डक', 'ग्रे प्लोवर', 'एग्रेट स्पॉटेड बिल्स', ओरिएंटल डार्टर, 'व्हाइट बेली सीगल' और काली गर्दन वाला सारस शामिल हैं। ये प्रवासी पक्षी उत्तरी गोलार्ध और लद्दाख जैसे ठंडे स्थानों से यहां पहुंच रहे हैं। ये पक्षी अपने शीतकालीन प्रवास के लिए भितरकनिका के आर्द्रभूमि क्षेत्र को इसलिए चुनते हैं क्योंकि यहां का अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र और शांत वातावरण उनके रहने के लिए पूरी तरह अनुकूल है।

बांग्लादेशी कट्टरपंथी समूहों से संबंध रखने के आरोप में असम और त्रिपुरा से 11 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। पूर्वोत्तर में अस्थिरता फैलाने की साजिश रचने वाले, बांग्लादेश स्थित कट्टरपंथी समूहों से कथित संबंधों के लिए असम और त्रिपुरा में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त पार्थसारथी महंत ने संवाददाताओं को बताया कि विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने केंद्रीय एजेंसियों से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर ये गिरफ्तारियां कीं। उन्होंने बताया, कल (सोमवार) रात असम के बारपेटा, चिरांग और दरांग जिलों के साथ-साथ त्रिपुरा में भी एक अभियान चलाया गया। हमने कुल 11 जिहादी तत्वों को गिरफ्तार किया है, जो बांग्लादेश स्थित समूहों के सीधे आदेशों पर काम कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग इमाम महमूदर काफिला (आईएमके) मॉड्यूल के सदस्य थे। उन्होंने दावा किया, इनमें से 10 को असम से और एक को त्रिपुरा से पकड़ा गया। इनका मुख्य उद्देश्य असम और पूर्वोत्तर के बाकी हिस्सों में अस्थिरता फैलाना था। वे देश के इस हिस्से में 'मुस्लिम वर्चस्व' स्थापित करना चाहते थे।

चुनाव आते ही कुछ लोगों को दुर्गा सप्तशती का पाठ याद आता है : शिवराज का ममता पर तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिलिगुड़ी में जनवरी महीने में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किए जाने की घोषणा पर मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आते ही कुछ लोगों को हनुमान चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ याद आ जाता है।

राजधानी भोपाल स्थित अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए चौहान ने कहा कि मंदिर और धार्मिक गतिविधियां आस्था का विषय होती हैं लेकिन कुछ विपक्षी दल धर्म को चुनावी फायदे के लिए इस्तेमाल करते हैं। ममता बनर्जी ने कोलकाता में एक कार्यक्रम में मंगलवार को कहा कि जनवरी के दूसरे सप्ताह में उत्तर बंगाल के सिलिगुड़ी में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किया जाएगा और इसके लिए जमीन भी तय कर ली गई है तथा धन का भी इंतजाम कर लिया गया है।

बनर्जी ने यह भी कहा कि उनके ऊपर तुष्टीकरण के आरोप लगते हैं लेकिन वह ऐसी राजनीति नहीं करती हैं क्योंकि वह धर्मनिरपेक्ष हैं।

इस बारे में पूछे जाने पर चौहान ने कहा, जब चुनाव आता है तब मंदिर याद आते हैं। मैं यह मानता हूं कि मंदिर हो या बाकी धार्मिक गतिविधियां, यह आस्था के विषय होते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, जब इन सब धार्मिक संस्थाओं पर हमले होते हैं, तब ये लोग चुप रहते हैं। लेकिन चुनाव आते ही कई लोग त्रिपुंड (एक प्रकार का तिलक) लगाने लगते हैं, हनुमान चालीसा का पाठ करने लगते हैं, दुर्गा सप्तशती का पाठ याद आता है। मैं समझता हूं कि जनता इस सच को जानती है। उन्होंने कहा कि आस्था का सम्मान होना चाहिए, न कि उसे राजनीति का 'औजार' बनाया जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में 2026 के मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है और राज्य में इस समय तृणमूल कांग्रेस की सरकार है जबकि भाजपा मुख्य विपक्षी दल है।

बिहार विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद भाजपा ने अपना पूरा ध्यान पश्चिम बंगाल में लगा दिया है, जहां विधानसभा की कुल 294 सीट हैं।

अधीर रंजन ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात, बांग्लाभाषी लोगों, मतुआ समुदाय के मुद्दों को उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और ''विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों पर हो रहे हमलों'' के मुद्दे तथा मतुआ समुदाय की समस्याओं को उनके समक्ष उठाया।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी ने ऐसे हमलों को रोकने में मदद के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में सांप्रदायिक तनाव और हिंसा होने की आशंका है।

मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए चौधरी ने कहा कि उन्होंने विभिन्न राज्यों में काम करने वाले बंगाली मजदूरों का मुद्दा उठाया और साथ ही मतुआ समुदाय के समक्ष आ रही समस्याओं के बारे में भी बात की।

प्रधानमंत्री के जवाब के बारे में पूछे जाने पर, चौधरी ने कहा, ''उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह स्थिति पर नज़र रख रहे हैं और ऐसा नहीं होना चाहिए।''

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले होने वाली इस मुलाकात के राजनीतिक महत्व के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''इसका कोई राजनीतिक महत्व नहीं है। मैं कुछ दिन पहले दिल्ली आया था; इत्तेफ़ाक से मुझे उनसे मिलने का मौका मिला।''

लोकसभा में कांग्रेस के नेता रह चुके चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र भी सौंपा, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि देश के कुछ हिस्सों में बांग्लाभाषी लोगों के साथ ''घुसपैठिए'' की तरह व्यवहार किया जा रहा है।

चौधरी ने पत्र में कहा, ''उनका एकमात्र अपराध यह है कि वे बांग्ला भाषा में बात करते हैं जिसके कारण संबंधित प्रशासन अक्सर उन्हें पड़ोसी बांग्लादेश के लोग समझ लेता है और उन्हें घुसपैठिया मानकर उनसे उसी प्रकार व्यवहार करता है।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक है और इस राज्य की सीमा बांग्लादेश से लगती है तथा देश के अन्य हिस्सों में ऐसे हमलों के कारण इन इलाकों में समुदायों के बीच सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता के करीबी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषी लोगों को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने का मुद्दा उठाया।

बिंद्रा की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने खेल प्रशासन की कमियां बताई, मांडविया ने कहा सुधार करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों समेत विशेष कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक ईकाई के गठन की सिफारिश की है ।

कार्यबल ने 170 पन्नों की अपनी रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मांडविया को सौंप दी है जिन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से कहा ,'' भारत के खेल 'इकोसिस्टम' को पेशेवर बनाने के अपने प्रयास के तहत कार्यबल की सभी सिफारिशों को लागू किया जायेगा ।''

ओलंपिक 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के अपने लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने, कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए इस कार्यबल का गठन किया था । कार्यबल ने खेल शिक्षा और सामर्थ्य निर्माण राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसईसीबी) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय

के अंतर्गत एक स्वायत्त ईकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी ।

नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था जिसमे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज बिंद्रा के अलावा आदिले सुमरिवाला और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन भी शामिल थे ।

कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है ,''खेल प्रशासकों में पेशेवर कैडर का अभाव है और संस्थागत निरंतरता भी कमजोर है । इसके अलावा ट्रेनिंग के मौके व्यवस्थित और आधुनिक नहीं है जिसमे निरंतर पेशेवर विकास पर फोकस सीमित है ।'' इसमें यह भी कहा गया कि खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है । इसके साथ ही खेल प्रशासन में डिजिटल टूल और विश्लेषण का प्रयोग भी बहुत कम है ।

कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में खेल प्रशासकों की क्षमता को मजबूत करने के लिए एक नियोजन और सुधार साधन के रूप में पांच स्तरीय क्षमता परिपक्विता मॉडल (सीएमएम) शुरू करने का आह्वान किया है। इसका उद्देश्य भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और राज्य विभागों को कैडर संरचना, पाठ्यक्रम अपनाने, डिजिटल सक्षमता और एथलीट मार्गों में संस्थागत परिपक्वता का आकलन करने में सक्षम बनाना है।

बिहार सरकार ने 2,800 करोड़ रु. की कजरा सौर परियोजना के पहले चरण का संचालन शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं को बढ़ावा देते हुए 2,800 करोड़ रुपए की कजरा सौर ऊर्जा परियोजना के पहले चरण का संचालन शुरू कर दिया गया है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बिहार सरकार लखीसराय जिले में इस परियोजना की स्थापना कर रही है, ताकि राज्य की कुल ऊर्जा खपत में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। पहले चरण के तहत 185 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र तथा 254 मेगावाट प्रति घंटा की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का निर्माण लगभग 1,810 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया गया है।

बिहार के ऊर्जा सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बिजली एक जगह से दूसरे जगह पहुंचाने के लिए पारेषण लाइन और ट्रांसफॉर्मर सुविधा को सफलतापूर्वक तैयार कर दिया गया है।

सिंह बिहार राज्य बिजली होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा कि यह सौर संयंत्र बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के माध्यम से अधिकतम मांग के दौरान 4-5 घंटे तक निर्बाध बिजली आपूर्ति कर सकता है।

दूसरे चरण में 116 मेगावाट का सौर संयंत्र तथा 241 मेगावाट प्रति घंटा की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का निर्माण लगभग 1,055 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य जनवरी 2027 तक पूरी परियोजना का संचालन शुरू करना है।

परियोजना के पूरा होने पर कजरा सौर ऊर्जा संयंत्र की कुल क्षमता 301 मेगावाट और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की कुल क्षमता 495 मेगावाट प्रति घंटा होगी।

सुविचार

जब आपके पास परम संवेदनशीलता होती है, तो प्रज्ञा के साथ-साथ प्रेम का भी प्रादुर्भाव होता हैप्रेम तब आनंद ही, प्रेम तब समयातीत है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जरदारी ने खोल दी पाकिस्तान की पोल

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने डींगें हांकने की कोशिश में अपने मुल्क की पोल खोल दी है। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के बाद जरदारी को अपने सैन्य सचिव से बंकर में छिपने की सलाह मिली थी। इसे पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर लिया है। उन्होंने सोचा होगा कि यह सुनकर जनता तारीफों के पुल बांधेगी कि 'हमारे राष्ट्रपति इतने बहादुर हैं कि उन्होंने बंकर में जाने से इन्कार कर दिया था', लेकिन उनका दांव उल्टा पड़ गया। जरदारी ने आखिरकार यह बता दिया कि अगर पाकिस्तान का दुस्साहस बढ़ता तो भारतीय मिसाइलें उनके आवास तक पहुंच सकती थीं। जरदारी खुद को सौभाग्यशाली समझें कि यह बयान देने के लिए मौजूद हैं। अगर लपेटे में आते तो उसी दिन परलोकवासी हो जाते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादियों के साथ उनके खानदान के कई लोग लपेटे में आए थे। उनके शवों को पाकिस्तानी मीडिया आम लोगों के साथ हुआ कथित जुल्म बताता रहा, लेकिन इस सवाल का उसके पास कोई जवाब नहीं था कि ये लोग आतंकवादियों के ठिकानों में क्या कर रहे थे! वहां कोई समाज सेवा का प्रशिक्षण नहीं दिया जा रहा था। आतंकवादियों के आका उनके दिलो-दिमाग में मानवता के खिलाफ जहर ही भर रहे थे। आसिफ अली जरदारी भी उनसे कम नहीं हैं, क्योंकि ये उनके गुनाहों को छिपाते हैं। इन्हें तो आतंकवाद का खुलकर विरोध करना चाहिए। इनकी पत्नी बेनजीर भुट्टो की आतंकवादियों ने हत्या की थी। जरदारी की नैतिकता देखिए, ये बेनजीर की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सिंध प्रांत के लरकाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आतंकवादियों के सुर में सुर मिला रहे थे।

आसिफ अली जरदारी के बयान से पहले पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी और नेता यह दिखाने की कोशिश कर रहे थे कि वे ऑपरेशन सिंदूर से बिल्कुल भयभीत नहीं थे, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत थी। इनके सेना प्रमुख तो हफ्तों नजर नहीं आए थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थीं। पाकिस्तानी मीडिया, खासकर उर्दू अखबार ऐसी खबरें छाप रहे थे, जिनका सच्चाई से कोई संबंध नहीं था। जरदारी ने चुप्पी साध रखी थी। अब खतरा टल गया तो ये बारी-बारी से सामने आकर अपनी कथित वीरता का बखान कर रहे हैं। जरदारी के ये शब्द कि 'अगर शहादत आनी है तो यहीं आएगी ... नेता बंकरों में नहीं मरते ... वे युद्धभूमि में मरते हैं ... वे बंकरों में बैठकर नहीं मरते', अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। अगर उनमें शहादत और कुर्बानी का इतना जज्बा है तो सात मई से लेकर एक हफ्ते तक किसी सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करके दिखाते। तब वे कहां थे? जरदारी को वर्ष 1971 के युद्ध का इतिहास पढ़ना चाहिए। तब 14 दिसंबर को भारतीय वायुसेना के विमानों ने ढाका में गवर्नर हाउस पर बमबारी की थी। उसका नतीजा क्या निकला था? तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के गवर्नर एएम मलिक एक उच्च-स्तरीय बैठक छोड़कर भाग गए थे। उन्होंने उसी समय एक पेन निकाला और अपने कांपते हाथों से इस्तीफा दे दिया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जरदारी के आवास के पास भारत का ड्रोन भी मंडराता दिख जाता तो ये जनाब कोई जोखिम नहीं लेते, सीधे दुबई या लंदन जाकर रुकते। पाकिस्तानी नेताओं और सैन्य अधिकारियों में डींगें हांकने की आदत बहुत पुरानी है। जिन्ना से लेकर याह्या खान, ज़िया-उल हक, परवेज मुशर्रफ, इमरान खान और आसिम मुनीर तक, सब एक ही स्क्रिप्ट बांचते रहे हैं। जरदारी इसलिए ज्यादा डींगें हांक रहे हैं, क्योंकि ये इस पड़ोसी देश के नेताओं में सबसे ज्यादा अनुभवी हैं!

ट्वीटर टॉक

आज ही के दिन सन 1943 में पोर्ट ब्लेयर की धरती पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता के संकल्प को विश्व के सामने प्रकट किया। यह क्षण राष्ट्र के स्वाभिमान, अदम्य साहस और त्याग की भावना का जीवंत प्रतीक बना।

-दिया कुमारी

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक, पद्म विभूषण से सम्मानित, महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!
देश उन्हें हमेशा इस अमूल्य योगदान के लिए कृतज्ञतापूर्वक याद रखेगा।

-भजनलाल शर्मा

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुई सड़क दुर्घटना का समाचार का अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

दीक्षा से परिवर्तन

एक रानी ने श्रद्धावश सिद्ध संत नागार्जुन को राजमहल में आमंत्रित किया। महल में रानी ने उनसे कहा, 'मुझे आपका भिक्षा पात्र चाहिए।' नागार्जुन ने बिना किसी हिचक के अपना भिक्षा पात्र दे दिया। बदले में रानी ने हीरों से जड़ा स्वर्णिम भिक्षा पात्र उन्हें अर्पित किया और भावुक स्वर में कहा, 'आपका पुराना पात्र मैं पूजूंगी।' नागार्जुन ने दोनों को समान भाव से देखा। महल से निकलते समय एक चोर की दृष्टि उस चमकते पात्र पर पड़ी। नागार्जुन सब देख रहे थे। उन्होंने अचानक वह पात्र उठाया और मंदिर के बाहर फेंक दिया। चोर पात्र उठाकर जाने ही वाला था, पर उसके कदम रुक गए। उसकी आवाज कांप उठी, 'आप अद्भुत हैं। मेरी ज़िंदगी अंधकार में डूब चुकी है। मैं चोर हूं। क्या मैं आपके चरण छू सकता हूं?' चरण छूते ही चोर के भीतर कुछ जाग गया। उसने दिव्यता की एक झलक पाई और पूछा, 'आप जैसा बनने में मुझे कितने जन्म लगेंगे?' नागार्जुन ने कहा, 'यह अभी हो सकता है, यहीं, इसी क्षण।' नागार्जुन बोले, 'यदि किसी पुराने घर में सदियों से अंधेरा हो और एक दीया जलाया जाए, तो क्या अंधेरा यह कहेगा कि मैं नहीं जाऊंगा?' चोर ने पूछा, 'क्या मुझे चोरी छोड़नी होगी?' नागार्जुन ने शांत स्वर में कहा, 'यह तुम्हारा चुनाव है।'

सामयिक

अर्थव्यवस्था से अंतरिक्ष तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

भारत के लिए वर्ष 2025 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसे संक्रमणकाल का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने देश की विकास यात्रा को नई दिशा, नई भाषा और नया आत्मविश्वास दिया। यह वह वर्ष रहा, जब भारत ने न केवल अपनी आंतरिक क्षमताओं को सुदृढ़ किया बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक परिपक्व, स्थिर और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को और गहराया। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल, लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब केवल संभावनाओं का राष्ट्र नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। वैश्विक परिदृश्य 2025 में किसी भी दृष्टि से आसान नहीं था। दुनिया आर्थिक मंदी की आशंकाओं, ऊर्जा संक्रमण के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और तीव्र होती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही थी। ऐसे समय में भारत का स्थिर, संतुलित और आत्मविश्वासी प्रदर्शन इस बात का संकेत बना कि देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी। आर्थिक मोर्चे पर 2025 भारत के लिए मजबूती का वर्ष रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचना केवल एक आंकड़ा नहीं था बल्कि यह घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधारों की संयुक्त शक्ति का प्रमाण था। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि ने यह संकेत दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अपनी आंतरिक गतिशीलता बनाए रखने में सक्षम है। केंद्रीय बैंक द्वारा वृद्धि अनुमान को 7.3 प्रतिशत तक संशोधित किया जाना आर्थिक लचीलेपन और नीति-विश्वसनीयता को दर्शाता है। लगभग 4.19 ट्रिलियन डॉलर के आकार के साथ भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना केवल रैंकिंग का विषय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति-संतुलन में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है।

विनिर्माण क्षेत्र में 2025 ने एक प्रकार से पुनर्जागरण का संकेत दिया। वर्षों से सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता के बाद अब विनिर्माण को विकास का मजबूत स्तंभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विनिर्माण उत्पादन की 4.26 प्रतिशत वृद्धि और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में निरंतर सुधार यह दर्शाता है कि उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की रणनीति धरातल पर उतर रही है। इलैक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का 115 अरब डॉलर तक पहुंचना और निकट भविष्य में इसके तीव्र विस्तार की संभावना भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की भूमिका निभा रही है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2025 ने भारत को एक नई वैश्विक पहचान दी। यह वर्ष केवल प्रक्षेपणों की संख्या या तकनीकी प्रयोगों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की भूमिका के गुणात्मक परिवर्तन का वर्ष बना। बड़े और जटिल संचार उपग्रहों की सफल तैनाती ने यह स्थापित किया कि भारत अब केवल किफायती लॉन्च सेवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि उच्च-मूल्य और तकनीकी रूप से जटिल वाणिज्यिक मिशनों का भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इन-ऑर्बिट सैटेलाइट डॉकिंग जैसी उन्नत क्षमता का सफल प्रदर्शन भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों, उपग्रह सेवा विस्तार और गहरे अंतरिक्ष अभियानों की आधारशिला है। मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में किए गए परीक्षण, स्वदेशी अंतरिक्ष-ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर का विकास और छोटे उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का निजी क्षेत्र को हस्तांतरण, ये सभी संकेत देते हैं कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब नवाचार, आत्मनिर्भरता और निजी भागीदारी के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

रक्षा क्षेत्र में 2025 को सुधार और आत्मनिर्भरता के निर्णायक वर्ष के रूप में देखा जा सकता है। सैन्य ढ़ांचे के आधुनिकीकरण के साथ-साथ संयुक्त युद्ध क्षमता को मजबूत करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए गए। थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय के लिए एकीकृत कमांड संरचना की ओर बढ़ना भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप एक रणनीतिक कदम है। नौसेना में नई पनडुब्बियों की तैनाती, स्वदेशी लड़ाकू विमानों की श्रृंखलाबद्ध आपूर्ति और रक्षा बजट में दीर्घकालिक निवेश यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में आयात-निर्भरता से बाहर निकलकर घरेलू क्षमता निर्माण पर जोर दे रहा है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रश्न नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता का आधार भी है।

बुनियादी ढ़ांचे के विकास ने 2025 में भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की दिशा में भी भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, सीमावर्ती सड़कों का निर्माण और तटीय विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारत को घरेलू रूप से अधिक एकीकृत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक सक्षम बना रहा है। यह निवेश केवल निर्माण गतिविधि तक सीमित नहीं बल्कि रोजगार सृजन, लागत में कमी और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने का माध्यम भी है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत ने 2025 में वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत किया। डिजिटल भुगतान प्रणालियों का अभूतपूर्व विस्तार, लेनदेन की बढ़ती संख्या और मूल्य तथा तकनीकी नवाचार ने यह सिद्ध किया कि भारत केवल डिजिटल उपभोक्ता नहीं बल्कि डिजिटल समाधान प्रदाता भी है। डिजिटल भुगतान में निरंतर वृद्धि, उच्च-मूल्य लेनदेन की सुविधा और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल प्रणालियों की स्वीकार्यता, भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी भूमिका की झलक देती है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 2025 का सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि स्वास्थ्य सेवा को अधिकार के रूप में सुलभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति हुई। लाखों नागरिकों तक स्वास्थ्य बीमा और उपचार की पहुंच, निजी स्वास्थ्य खर्च में उल्लेखनीय कमी और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों तक विस्तार, ये सभी संकेत देते हैं कि सामाजिक कल्याण अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं बल्कि वास्तविक जीवन में प्रभाव डाल रहा है। स्वास्थ्य अवसंरचना में किया गया निवेश दीर्घकालिक सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमता को मजबूत कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने यह स्पष्ट किया कि ज्ञान और अनुसंधान को राष्ट्रीय विकास का केंद्र बनाने की रणनीति पर गंभीरता से काम हो रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार, नई सीटों का सृजन, अनुसंधान पार्कों की स्थापना और संकाय क्षमता में वृद्धि, ये सभी कदम आने वाले वर्षों में भारत की मानव पूंजी को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेंगे। स्टार्टअप पारिस्थितिकी में 2025 परिपक्वता का वर्ष रहा। यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या, उनके मूल्यांकन और निवेश आकर्षित करने की क्षमता यह दर्शाती है कि भारत का उद्यमी तंत्र अब केवल संख्या पर नहीं बल्कि गुणवत्ता और स्थायित्व पर भी केंद्रित है। महानगरों के साथ-साथ नए क्षेत्रों में स्टार्टअप गतिविधियों का विस्तार एक व्यापक उद्यमी संस्कृति के निर्माण की ओर संकेत करता है।

खेल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी 2025 ने यह दिखाया कि भारत बहुआयामी विकास की दिशा में अग्रसर है। युवा खिलाड़ियों की अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां और स्वच्छ ऊर्जा क्षमता में निरंतर वृद्धि, दोनों ही भारत के भविष्य को अधिक सशक्त, टिकाऊ और आत्मविश्वासी बनाती हैं। समग्र रूप से देखें तो 2025 भारत के लिए केवल उपलब्धियों का वर्ष नहीं बल्कि आत्मनिर्भर आत्मविश्वास के परिपक्व होने का वर्ष रहा। यह वह समय रह जब भारत ने यह सिद्ध किया कि वह संकटों के बीच भी अवसर गढ़ सकता है, अनिश्चितताओं के बीच स्थिरता बनाए रख सकता है और वैश्विक मंच पर अपने हितों को स्पष्ट, संतुलित और दृढ़ स्वर में प्रस्तुत कर सकता है। 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में 2025 एक ऐसा पड़ाव रहा, जिसने भरोसा दिया कि लक्ष्य कठिन जरूर है पर दिशा सही है। आने वाले वर्षों में इस गति को बनाए रखना, समावेशिता और उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ना ही भारत की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी संभावना दोनों होगी।

नजरिया

यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम स्त्री को अब भी केवल पत्नी, बहू और माँ की सीमित भूमिकाओं में ही बाँधकर देखेंगे, या उसे एक स्वतंत्र और बराबरी का नागरिक मानेंगे। जब तक बेटी को शिक्षा, संपत्ति में अधिकार, निर्णय की स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलेगा, तब तक कोई भी सामाजिक सुधार टिकाऊ नहीं हो सकता। यह समस्या कानून से ज़्यादा मानसिकता की है और मानसिकता बदलने के लिए साहसिक सामाजिक ईमानदारी चाहिए। उत्तर भारत का यह विवाह संकट दरअसल एक आईना है-उस समाज के लिए, जिसने बेटियों को जन्म से पहले मिटा दिया और आज दुल्हन के लिए तरस रहा है।

पितृसत्ता की कीमत अदा कर रहे हैं कुंवारे बेटे

डॉ. प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

भारत में विवाह केवल दो व्यक्तियों का निजी संबंध नहीं होता, बल्कि वह समाज की सामूहिक चेतना, नैतिकता और सत्ता-संरचना का आईना भी होता है। लेकिन जब अख़बारों की सुर्ख़ियाँ यह बताने लगें कि करोड़ों की संपत्ति, लाखों की मासिक सैलरी और सरकारी नौकरी होने के बावजूद पुरुषों को दुल्हन नहीं मिल रही, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि मामला व्यक्तिगत विफलता का नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक और सभ्यतागत संकट का है। पंजाब और हरियाणा जैसे समृद्ध कहे जाने वाले राज्यों से आई यह सच्चाई किसी एक परिवार या वर्ग की समस्या नहीं है, बल्कि उस पितृसत्तात्मक सोच का परिणाम है, जिसने वर्षों तक बेटियों को जन्म से पहले ही मिटा दिया। यह संकट अचानक पैदा नहीं हुआ। यह किसी प्राकृतिक आपदा की तरह समाज पर नहीं टूटा, बल्कि इसे योजनाबद्ध तरीके से गढ़ा गया। अल्ट्रासाउंड मशीनों के दुरुपयोग, दहेज की भूख, वंशवादी अहंकार और तथाकथित सामाजिक प्रतिष्ठा ने मिलकर एक ऐसी ज़मीन तैयार की, जहाँ बेटियों का जन्म ही अपराध मान लिया गया। समाज ने यह मान लिया कि बेटा ही भविष्य है और बेटी बोझ। आज उसी सोच की कीमत समाज को सामूहिक रूप से चुकानी पड़ रही है। सरकारी आँकड़े भले यह दावा करें कि लिंगानुपात में सुधार हो रहा है, लेकिन विवाह के बाज़ार में दिखाई दे रही सच्चाई इन दावों की पोल खोल देती है। जब हज़ारों आवेदनों में 92 प्रतिशत पुरुष दुल्हन की तलाश में हों, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि आँकड़े और ज़मीनी हकीकत के बीच एक गहरी खाई है। यह केवल संख्याओं का सवाल नहीं है, बल्कि सामाजिक संतुलन का प्रश्न है। लिंगानुपात कोई साधारण जनसांख्यिकीय आँकड़ा नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य का संकेतक होता है। आज उत्तर भारत के कई हिस्सों में 40 से 45 वर्ष की उम्र पार कर चुके वे पुरुष विवाह के लिए दर-दर भटक रहे हैं, जिनके पास ज़मीन है, मकान है, गाड़ी है और सम्मानजनक नौकरी भी। वैवाहिक बैठकों में यह कहना कि तलाक़शुदा चलेगी, एक बच्चा हो तो भी चलेगा, किसी उदार सोच का नहीं, बल्कि गहरी हताशा का बयान है। यह वही समाज है जिसने कभी लड़की के रंग, रूप, कद और दहेज के आधार पर रिश्ते ठुकराए थे। आज वही समाज चयन से बाहर खड़ा है।

पितृसत्ता ने सदियों तक स्त्री को केवल एक वस्तु की तरह देखा-जिसे परखा जा सकता है, बदला जा सकता है, अस्वीकार किया जा सकता है। लेकिन आज वही पितृसत्ता अपने ही बनाए ढांचे में फँस गई है। यह उसकी ऐतिहासिक विफलता है कि उसने जिस व्यवस्था को अपने लाभ के लिए खड़ा किया, वही व्यवस्था अब उसके अस्तित्व पर सवाल बनकर खड़ी है। जिन इलाकों में भ्रूण हत्या सबसे अधिक हुई, वहीं आज विवाह संकट सबसे गहरा है। समाज ने सोचा था कि बेटियाँ कम होंगी तो बेटों की क़ीमत बढ़ेगी, लेकिन हुआ इसके ठीक उलट-बेटियाँ कम हुईं और बेटों का भविष्य असुरक्षित हो गया। इस स्थिति के लिए केवल परिवारों को दोष देना आसान है, लेकिन यह अधूरा सच होगा। राज्य, समाज और धर्म-तीनों इस संकट के सह-निर्माता हैं। प्रशासन ने लिंगानुपात को एक फ़ाइल में दर्ज होने वाला आँकड़ा समझा, संवेदनशील सामाजिक चेतावनी नहीं। राजनीति ने इसे कभी गंभीर चुनावी मुद्दा नहीं बनाया, क्योंकि इससे तात्कालिक वोट नहीं मिलते। धर्म और जाति ने इसे संस्कार और परंपरा के नाम पर ढक दिया, मानो बेटी पैदा करना कोई अपराध हो।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान पोस्टरों, नारों और भाषणों तक सीमित रह गए। ज़मीनी स्तर पर सख़्ती, निरंतर सामाजिक संवाद और वैचारिक संघर्ष की जगह प्रचार ने ले ली। नतीजा यह हुआ कि योजनाएँ चलती रहीं और बेटियाँ घटती रहीं। समाज ने आँख मूँदकर यह मान लिया कि यह समस्या भविष्य की है, आज की नहीं। अब जब भविष्य दरवाज़े पर खड़ा है, तो घबराहट साफ़ दिखाई दे रही है। आज दिखाई दे रहा यह विवाह संकट आने वाले सामाजिक विस्फोट का संकेत है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो महिलाओं की ख़रीद-फरोख़्त, ज़बरन विवाह, मानव तस्करी और महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा जैसी घटनाएँ बढ़ेंगी। ये घटनाएँ किसी विकृत मानसिकता के अपवाद नहीं होंगी, बल्कि असंतुलित समाज का स्वाभाविक परिणाम होंगी। जब समाज में स्त्रियों की संख्या घटती है, तो उनकी सुरक्षा नहीं बढ़ती, बल्कि उनका शोषण नए और अधिक ख़तरनाक रूपों में सामने आता है।

यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम स्त्री को अब भी केवल पत्नी, बहू और माँ की सीमित भूमिकाओं में ही बाँधकर देखेंगे, या उसे एक स्वतंत्र और बराबरी का नागरिक मानेंगे। जब तक बेटी को शिक्षा, संपत्ति में अधिकार, निर्णय की स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलेगा, तब तक कोई भी सामाजिक सुधार टिकाऊ नहीं हो सकता। यह समस्या कानून से ज़्यादा मानसिकता की है और मानसिकता बदलने के लिए साहसिक सामाजिक ईमानदारी चाहिए। उत्तर भारत का यह विवाह संकट दरअसल एक आईना है-उस समाज के लिए, जिसने बेटियों को जन्म से पहले मिटा दिया और आज दुल्हन के लिए तरस रहा है। यह केवल अविवाहित पुरुषों की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे समाज की नैतिक हार है। जिस समाज ने स्त्री को बोझ समझा, वही समाज आज अपने ही बेटों का भविष्य ढो रहा है। अब भी समय है, लेकिन समाधान आँकड़ों, अभियानों और नारों से नहीं आएगा। इसकी शुरुआत सोच बदलने से ही होगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बांग्लादेश में हिंदू शख्स की पीट-पीटकर हत्या 'क्रूरता की पराकाष्ठा': अरशद मदनी

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए- हिंद (एएम) के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने ईशनिंदा के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर एक हिंदू व्यक्ति की हत्या करने की निंदा करते हुए इसे 'क्रूरता की पराकाष्ठा' बताया और दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की।

संगठन की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, मौलाना मदनी ने पड़ोसी मुल्क में अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे जुल्म को 'बहुत बुरा' बताते हुए कहा कि यह कृत्य न केवल इस्लामी शिक्षाओं का उल्लंघन है, बल्कि इस्लाम को बदनाम करने वाला भी है, इसलिए ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए। उन्होंने हाल ही में देश में क्रिसमिस के मौके पर कुछ तत्वों द्वारा किए गए उपद्रव को अनुचित ठहरते हुए दावा किया कि देश की सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

मदनी ने देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और भीड़ द्वारा उनकी पीट-पीटकर हत्या करने के मुद्दे को उठाया और दुख जताया कि इन पर उस तरह का आक्रोश देखने को नहीं मिलता जैसा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर देखने को मिल रहा है।

भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार जारी ''शत्रुतापूर्ण गतिविधियों'' पर पिछले शुक्रवार को गंभीर चिंता का विषय बताया। विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह मैमनसिंह क्षेत्र में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या करने में शामिल दोषियों को दंडित करने की मांग की।

'जिया के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश के संबंध जटिल, अक्सर तनावपूर्ण रहे'

नई दिल्ली/भाषा। भारत के दो पूर्व राजनयिकों ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का राजनीतिक उत्थान, उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुन: स्थापना के प्रति देश की ''दृढ़ता'' का प्रतीक था और साथ ही उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को भी मजबूती दी, जो उनके पति की मृत्यु के बाद पूरी तरह बिखरने के ''गंभीर खतरे'' का सामना कर रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि खालिदा जिया के कार्यकाल के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध ''जटिल'' और ''अक्सर तनावपूर्ण'' रहे, जिसका कारण पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों को कथित समर्थन और उन्हें बांग्लादेश में पनाह मिलना बताया गया। जिया का 80 वर्ष की आयु में मंगलवार को ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं और दशकों तक देश की राजनीति पर उनका वर्चस्व रहा।

भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि जिया के दूसरे कार्यकाल (2001-2006) के दौरान पाकिस्तान का प्रभाव काफी अधिक था और यह भारत के लिए ''बेहद कठिन समय'' था। उन्होंने बताया कि इस दौरान द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

सिकरी ने 2003-2006 के बीच ढाका में सेवा दी थी।सिकरी ने 1992 में जिया की भारत यात्रा और नवंबर 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा को भी याद किया। मार्च 2006 में जिया ने सिंह के आमंत्रण पर भारत की राजकीय यात्रा की थी, जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर व्यापक चर्चा की थी।

पूर्व राजनयिक वेणु राजामोनी ने कहा कि जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध ''जटिल और अक्सर तनावपूर्ण'' रहे। उन्होंने कहा कि शेख हसीना की अवामी लीग के विपरीत जिया की बीएनपी सरकारों का रुख नई दिल्ली के प्रति सतर्क और लेन-देन पर आधारित था।

जिया के पहले कार्यकाल में व्यापार और गंगा जल बंटवारे जैसे मुद्दों पर कुछ प्रगति हुई लेकिन सीमा विवाद, उग्रवादियों को कथित संरक्षण और प्रवासन जैसे मुद्दों पर तनाव बना रहा। दूसरे कार्यकाल में खासकर जमात-ए-इस्लामी से गठबंधन के बाद संबंध और खराब हुए। भारत ने बांग्लादेशी सरजमीं से काम कर रहे भारत विरोधी तत्वों को लेकर गंभीर चिंताएं जतायी थीं। हालांकि, दोनों राजनयिकों ने माना कि सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की बहाली में खालिदा जिया की भूमिका अहम रही। 1982 में जनरल एच.एम. इरशाद के तख्तापलट के बाद उन्होंने लोकतंत्र बहाली का आंदोलन शुरू किया और बीएनपी को एकजुट रखा।

उनकी विरासत पर सिकरी ने कहा कि जिया और शेख हसीना दोनों ने इरशाद की तानाशाही के शांतिपूर्ण अंत में बड़ी भूमिका निभाई। आगे बीएनपी की राह पर टिप्पणी करते हुए राजामोनी ने कहा कि पार्टी का भविष्य अब उनके बेटे तारिक रहमान पर निर्भर है, जो 17 साल के निर्वासन के बाद हाल ही में लौटे हैं।

खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1946 को अविभाजित भारत के दिनाजपुर जिले में हुआ था। उनके पिता विभाजन के बाद जलपाईगुड़ी से पूर्वी पाकिस्तान चले गए थे। जलपाईगुड़ी में उनका परिवार चाय का व्यवसाय करता था।

बाबा महाकाल के दरबार में नुसरत भरूचा ने टेका मत्था

उज्जैन/एजेन्सी

अभिनेत्री नुसरत भरूचा मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर महाकाल के दर्शन किए। दिव्य भस्म आरती में शामिल होकर नुसरत ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। इस दौरान वह भक्ति में लीन दिखीं। यह नुसरत भरूचा की बाबा महाकाल के दरबार में दूसरी यात्रा थी। भस्म आरती के दौरान वह नंदी हॉल में बैठीं और शिव भक्ति में पूरी तरह डूब गईं। मंदिर के पुजारियों ने उन्हें प्रसाद स्वरुप महाकाल अंकित दुपट्टा भेंट किया, जिसे पाकर वह गदगद नजर आईं। दर्शन के बाद नुसरत ने मंदिर की व्यवस्थाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी भारी भीड़ होने के बावजूद सब कुछ बहुत सुगम और व्यवस्थित था। खास तौर पर उन्होंने जल पात्र व्यवस्था की प्रशंसा की। इस व्यवस्था में पाइप के जरिए सीधे ज्योतिर्लिंग पर जल चढ़ाया जाता है, जिससे भक्तों को लाइन में लगे बिना जल अर्पित करने की सुविधा मिलती है। नुसरत ने बताया कि बाबा महाकाल के दर्शन से उन्हें शांति और ऊर्जा मिलती है।

भस्म आरती महाकाल मंदिर की सबसे विशेष आरती है, जो ब्रह्म मुहूर्त में होती है जिसमें भस्म से भगवान शिव का श्रृंगार किया जाता है।

महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती लोकप्रिय है और इसमें शामिल होने के लिए दुनियाभर से श्रद्धालु उज्जैन आते हैं। भस्म आरती का काफी पौराणिक महत्व है। आरती में श्मशान से लाई गई चिता की भस्म से भगवान शिव का श्रृंगार किया जाता है। चिता भस्म के अलावा इसमें गोहरी, पीपल, पलाश, शमी और बेल की लकड़ियों के राख को भी मिलाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भस्म आरती के दौरान महिलाएं सिर पर घूंघट या ओढ़नी डाल लेती हैं। मान्यता है कि उस वक्त महाकालेश्वर निराकार स्वरूप में होते हैं, इसलिए महिलाओं को आरती में शामिल न होने और न ही देखने की अनुमति होती है।

धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' देखकर भावुक हुए अनिल शर्मा, बोले- 'पर्दे पर देख दिल भर आया'

मुंबई/एजेन्सी

जब पूरा फिल्म जगत नए साल की तैयारियों में लगा है, इस बीच धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' की चर्चा जोरों पर है। 29 दिसंबर को मुंबई में फिल्म की एक खास स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें सलमान खान, सनी देओल, बॉबी देओल और रेखा जैसी जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। इस स्क्रीनिंग के बाद फिल्म को लेकर भावनात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस कड़ी में दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और लेखक अनिल शर्मा और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया। फिल्म देखने के बाद अनिल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''जब मैंने धर्मेंद्र जी को पर्दे पर देखा तो मेरा दिल भर आया।

उन्हें नम आंखों से देखना एक अलग ही एहसास था। धर्मेंद्र ने फिल्म में ऐसा अभिनय किया है, जिसमें गरिमा भी है और गहराई भी। उनके जैसे कलाकार बहुत कम होते हैं जो बिना ज्यादा बोले भी बहुत कुछ कह जाते हैं।''

अनिल शर्मा ने फिल्म की टीम को बधाई दी और कहा, ''मेकर्स, टेक्नीशियन और उन कलाकारों को बधाई, जिन्होंने फिल्म बनाने में मदद की। धर्मेंद्र जी हमेशा दर्शकों के दिलों में जिंदा रहेंगे। अगस्त्य नंदा का अभिनय भी सच्चा और असरदार था।'' अनिल शर्मा के अलावा कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने भी 'इक्कीस' को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने लिखा, ''मैंने 'इक्कीस' देखी, यह फिल्म दिल से बनी है। कहानी सीधी और प्रभावशाली है। यह खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक मन में बनी रहती है।'' मुकेश छाबड़ा ने धर्मेंद्र के अभिनय को बेहद गरिमापूर्ण बताया और कहा कि अगर यह उनकी आखिरी फिल्म है, तो इससे बेहतर विदाई नहीं हो सकती। उन्होंने जयदीप अहलावत के काम की भी तारीफ की और फिल्म को उम्मीद से कहीं ज्यादा खास बताया। मुकेश छाबड़ा ने फिल्म के युवा कलाकारों पर भी बात की। उन्होंने लिखा, अगस्त्य नंदा और सिमर भाटिया, दोनों ही स्क्रीन पर बहुत सहज और खूबसूरत लगे। उनकी प्यारी आंखें और मनमोहक केमिस्ट्री कमाल की थी। अगस्त्य की मासूमियत और ईमानदारी सचमुच चमक उठी। विवान शाह और सिकंदर खेर का काम भी शानदार था, और सबसे बढ़कर निर्देशक श्रीराम राघवन सर ने एक बार फिर दिल को छू लिया। उन्होंने सच्ची कहानी को बड़े सादे अंदाज में पेश किया है। फिल्म 'इक्कीस' की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है। यह एक वॉर ड्रामा है, जो सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी दिखाती है। अरुण खेत्रपाल परमवीर चक्र विजेता थे। उन्होंने सिर्फ 21 साल की उम्र में देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। इसी वजह से फिल्म का नाम 'इक्कीस' रखा गया है। फिल्म में अरुण खेत्रपाल की भूमिका अगस्त्य नंदा निभा रहे हैं, जबकि धर्मेंद्र उनके पिता के किरदार में हैं। पहले यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बदलकर 1 जनवरी 2026 कर दी गई है।

काम ही आगे काम दिलाता है : चित्रांगदा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री है, जहां किसी कलाकार की सफलता अक्सर इस बात से मापी जाती है कि उसने कितनी फिल्में की हैं, वह कितनी बार स्क्रीन पर नजर आता है और उसका नाम कितनी बार चर्चा में रहता है। ऐसे माहौल में कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं, जो इस भीड़ से अलग अपनी पहचान बनाते हैं। वे कम काम करते हैं, लेकिन ऐसा काम करते हैं जो लंबे समय तक दर्शकों के दिल और दिमाग में बना रहता है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह उन्हीं चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने हमेशा संख्या से ज्यादा गुणवत्ता को महत्व दिया है। साल 2025 उनके करियर के लिए खास रहा है, जिसमें उन्होंने 'हाउसफुल 5', 'परिक्रमा' और 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' जैसी अलग-अलग तरह की प्रोजेक्ट्स में काम किया। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा, ''भले ही मेरा फिल्मी सफर बहुत लंबा या लगातार नहीं रहा, लेकिन इस बात की खुशी है कि दर्शकों ने मेरे काम को याद रखा है। मेरा मानना है कि किसी किरदार के स्क्रीन टाइम से ज्यादा जरूरी यह होता है कि वह दर्शकों पर कितना असर छोड़ता है।'' अपने किरदार चुनने के तरीके पर बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, ''अब धीरे-धीरे इंडस्ट्री में भी यह समझ विकसित हो रही है कि सिर्फ ज्यादा काम करना ही सब कुछ नहीं होता। कभी-कभी एक छोटा सा सीन या सीमित स्क्रीन टाइम वाला किरदार भी दर्शकों के दिल में गहरी जगह बना सकता है। ऐसा कई बार देखा गया है कि एक मजबूत सीन पूरी फिल्म के मुकाबले ज्यादा यादगार बन जाता है।'' चित्रांगदा ने कहा, मेरा यह भी मानना है कि सिर्फ अच्छा काम करना ही काफी नहीं होता। एक कलाकार के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी बनाए रखना भी जरूरी होता है। अच्छा काम और दर्शकों तक पहुंच, इन दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए। इसलिए कलाकार को ऐसे रोल मिलने जरूरी होते हैं, जिन्हें लोग याद रखें और जिनसे उनका काम आगे बढ़े। लेकिन, वही काम टिकता है, जिसमें सच्चाई और गहराई हो।

निमरत कौर ने श्रीनगर के प्रसिद्ध शंकराचार्य मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म और वेब सीरीज की चमक-दमक भरी दुनिया में रहने वाले सितारे अक्सर चर्चाओं में बने रहते हैं, कभी प्रोजेक्टस को लेकर, तो कभी निजी जिंदगी को लेकर। इस कड़ी में अभिनेत्री निमरत कौर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर वेकेशन को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने प्रसिद्ध शंकराचार्य मंदिर में पूजा-अर्चना की और आने वाले साल के लिए शुभकामनाएं मांगीं। निमरत कौर ने इंस्टाग्राम पर मंदिर का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें शंकराचार्य मंदिर की भव्यता और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता की झलक देखने को मिल रही है। वीडियो के साथ निमरत ने एक भावुक कैप्शन भी लिखा। अभिनेत्री ने कहा, यह 2025 का आखिरी सोमवार था, और ऐसे पवित्र दिन पर भगवान शिव के दर्शन करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा।

उन्होंने लिखा, ''इस साल मुझे जो भी आशीर्वाद और मौके मिले, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं और भगवान शिव की कृपा से आने वाला साल सभी के लिए सकारात्मक और उज्ज्वल हो।'' वीडियो में निमरत कौर को बेहद सादगी भरे अंदाज में देखा जा सकता है। वह मंदिर में पूजा करते हुए भगवान शिव के सामने प्रार्थना करती नजर आ रही हैं। वीडियो में वह इन पलों को पूरी तरह महसूस कर रही हैं।

मंदिर यात्रा के दौरान निमरत कौर ने अपने प्रशंसकों के साथ भी मुलाकात की। वीडियो में वह फैंस के साथ सेल्फी लेती हुई और उनसे बातचीत करती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

एक तरफ निजी जिंदगी में वह वेकेशन का लुत्फ उठा रही हैं, तो वहीं पेशेवर जिंदगी में वह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'द फैमिली मैन सीजन 3' में अपने किरदार मीरा को मिल रही सराहना का आनंद ले रही हैं। सीरीज में वह नेगेटिव किरदार में नजर आई थी। 'द फैमिली मैन सीजन 3' में मनोज बाजपेयी, प्रियामणि, शरद केलकर, शारिब हाशमी, नीरज माधव समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आए हैं। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

फिल्म की असल हीरो तो जरीना वहाब हैं, प्रभास ने 'राजा साब' से जुड़े बताए कई दिलचस्प किस्से

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में जब किसी बड़े स्टार की फिल्म रिलीज के करीब आती है, तो उससे जुड़े हर छोटे-बड़े अपडेट पर दर्शकों की नजर बनी रहती है। खासतौर पर जब बात प्रभास जैसे सुपरस्टार की हो, तो उत्सुकता और भी बढ़ जाती है। एक्शन फिल्मों से अपनी अलग पहचान बना चुके प्रभास इस बार कुछ अलग लेकर आ रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'राजा साब' को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है। यह फिल्म हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मेल है, जिसका निर्देशन मारुति कर रहे हैं। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में प्रभास ने फिल्म से जुड़े कई दिलचस्प खुलासे किए। प्री-रिलीज इवेंट के दौरान प्रभास ने दिग्गज अभिनेत्री जरीना वहाब की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, जरीना वहाब ने मेरे किरदार की दादी का रोल निभाया है और उनका अभिनय वाकई देखने लायक है। कई बार तो मैं खुद अपने सीन भूल जाता था, जरीना की अदाकारी इतनी दमदार और असरदार थी कि मेरा उन पर ध्यान बना रहता है और मैं उनकी एक्टिंग में पूरी तरह खो जाता था। उनके अभिनय में जो गहराई और सच्चाई है, वह किसी भी कलाकार में आसानी से मिलना मुश्किल है। प्रभास ने कहा, ''फिल्म की कहानी दादी और पोते के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है, और जरीना वहाब का किरदार फिल्म की आत्मा की तरह है। इस फिल्म की असल हीरो तो जरीना वहाब ही हैं। उनके अभिनय की ताकत ने फिल्म के हर सीन को यादगार बना दिया। मैं अब उनका फैन हो गया हूं।'' प्रभास ने साझा किया कि इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी का बैलेंस बहुत ही मजेदार तरीके से रखा गया है। उन्होंने कहा कि फिल्म में हंसने और डरने का अनुभव दोनों ही मिलेगा, और यह दर्शकों को थिएटर से पूरी तरह बांधे रखेगा। इसके अलावा प्रभास ने अपने बाकी सह-कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, संजय दत्त के छोटे से सीन भी पूरी स्क्रीन पर छा गए, और बाकी कलाकार जैसे रिद्धि, मालविका और निधि भी अपने-अपने अंदाज में बखूबी आगे आईं। तीनों ही बेहद खूबसूरत हैं और अपनी एक्टिंग से दर्शकों को प्रभावित करेंगी। फिल्म में सभी कलाकारों को बराबर मौका मिला है और हर किरदार कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

प्रभास ने कहा, ''जब मैंने पहली बार निर्देशक मारुति से इस फिल्म को लेकर बातचीत की थी, तब उन्होंने साफ कहा था कि वह दर्शकों को एक अच्छा और सच्चा मनोरंजन देना चाहते हैं। आजकल ज्यादातर फिल्में सिर्फ एक्शन पर टिकी होती हैं, लेकिन वह कुछ हल्का, मजेदार और अलग करना चाहते हैं। इसी सोच से 'राजा साब' की शुरुआत हुई, जिसमें डर और हंसी दोनों का संतुलन रखा गया है।''

दर्शकों को डरा देगी 'धुरंधर 2': रामगोपाल वर्मा

नई दिल्ली/भाषा। फिल्मकार रामगोपाल वर्मा ने सोमवार को कहा कि आदित्य धर निर्देशित फिल्म धुरंधर 2 दर्शकों को डरा देगी। पांच दिसंबर को रिलीज हुई 'धुरंधर' फिल्म ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के जरिए 1000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही इसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर माधवन और राकेश बेदी भी नजर आए हैं। फिल्म का दूसरा भाग 19 मार्च को रिलीज होने वाला है। वर्मा ने पूर्व में सोशल मीडिया पर 'धुरंधर' की काफी प्रशंसा की थी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बॉलीवुड में दक्षिण भारतीय फिल्मों की पैठ को आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' ने कमजोर कर दिया और अब उनकी धुरंधर 2 छा जाने को तैयार है...दूसरे भाग को देखकर लगता है कि अगर पहले भाग ने भयभीत किया था, तो दूसरा भाग उन्हें डरा देगा। यह फिल्म अपराधियों, मुखबिरों और एजेंटों के एक नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन आपस में जुड़ते हैं, और वे गुप्त अभियानों, जासूसी और विश्वासघात से निपटते हैं। इसमें कराची के ल्यारी कस्बे का घटनाक्रम है, जिसे गिरोह युद्धों और हिंसक क्षेत्रीय लड़ाइयों के इतिहास के लिए जाना जाता है।

तिरुचिरापल्ली में मंगलवार को लोग '165वें वैकुंठ महोत्सव' के मौके पर तिरुचिरापल्ली में 'श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर' में पालकी पर भगवान रंगनाथ की मूर्ति ले जाते हुए।

बॉलीवुड में मौके खोने का था डर, इसलिए त्रिधा चौधरी ने हॉलीवुड प्रोजेक्ट से बनाई दूरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी हाल ही में फिल्म 'किस किस को प्यार करूं-2' में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने हाल ही में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि वह अलग-अलग फिल्म को बहुत सोच समझकर चुनती हैं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि हॉलीवुड से एक अच्छा ऑफर मिला था, लेकिन बोल्ड सीन्स करने से उन्हें बाकी जगह से ऑफर ठुकरा दिए जाते। अभिनेत्री ने कहा, मुझे अच्छी तरह से पता था कि ऐसे सीन करने से मेरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। खासकर बॉलीवुड और अन्य भारतीय इंडस्ट्री में मौके कम हो जाते हैं।

अभिनेत्री ने समझाया कि बोल्ड सीन करने से उन्हें एक खास तरह की इमेज मिल जाती है। इससे

कई अच्छे प्रोजेक्टस हाथ से निकल सकते थे। वे नहीं चाहती थीं कि एक प्रोजेक्ट की वजह से उनका लंबे समय का करियर खतरे में पड़ जाए। उन्होंने कहा, अगर मैं हॉलीवुड में एक ऐसा प्रोजेक्ट करती, जिसमें बोल्ड सीन्स होते, तो इससे मेरे कई अन्य प्रोजेक्टस रुक जाते हैं। मुझे यह पहले से पता था। यही वजह थी कि मैंने पहले से हॉलीवुड में कदम रख लिया है, तो अलग तरीके से आगे बढ़ सकती हूं, लेकिन सिर्फ एक प्रोजेक्ट के लिए बॉलीवुड या कहीं और का अपना लंबा सफर जोखिम में नहीं डालूंगी।

त्रिधा हाल ही में कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं-2 में नजर आई थी। फिल्म में कपिल और त्रिधा के अलावा, आयशा खान, पारुल गुलाटी और हीरा वरीना मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अखिलेंद्र मिश्रा कपिल शर्मा के पिता के रोल में हैं। उन्होंने फिल्म के सबसे मजेदार पल दिए हैं। वहीं, फिल्म को वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें हंसी, मस्ती, दोस्ती और खुशियों से भरे पल शामिल हैं। हालांकि, फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म 'धुरंधर' के आगे कपिल शर्मा की ये फिल्म ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी थी।

'चेन्नई लहर' ने मारी बाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापट्टनम्/चेन्नई। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के विशाखापट्टणम में आयोजित 34वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नै की राजभाषा हिंदी गृह पत्रिका 'चेन्नई लहर' के 19वें अंक को दक्षिण क्षेत्र की दूसरी सर्वश्रेष्ठ पत्रिका का गौरव प्राप्त हुआ। इस मौके पर राजेश कुमार, उपनिदेशक(राजभाषा), दक्षिण अंचल तथा डॉ. किरण अय्यर वी. सहायक निदेशक (राजभाषा) को क.रा.बी. निगम के महानिदेशक सुरेश कुमार सिंह ने सम्मानित किया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कराबी निगम) द्वारा आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टणम में 34वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता निगम के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने की।

सम्मेलन में क.रा.बी.निगम के देश भर के सभी कार्यालयों एवं अस्पतालों के राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा प्रभारी अधिकारियों ने सहभागिता की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य क.रा.बी.निगम के कार्यालयों एवं अस्पतालों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन की समीक्षा करना तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को सम्मानित करना था। इस अवसर पर राजेश कुमार, उपनिदेशक(राजभाषा), दक्षिण अंचल तथा डॉ. किरण अय्यर वी. सहायक निदेशक (राजभाषा) ने सम्मेलन में क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई का प्रतिनिधित्व कर प्रमाणपत्र ग्रहण किया।

वैकुंठ एकादशी
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुचिरापल्ली के पास कावेरी नदी तट स्थित श्रीरंगम के प्रसिद्ध भगवान विष्णु के मंदिर में मंगलवार को वैकुंठ एकादशी के मौके पर मंदिर का स्वर्गवासल यानी स्वर्ग का द्वार वैकुंठ द्वार खोला गया। जहां श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया।

नए वर्ष में आयोजित 'फिटनेस फिएस्टा 2026' की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग बेंगलूरु समिति द्वारा 2 जनवरी से शुरू होने वाले स्वास्थ्य एवं फिटनेस कार्यक्रम 'फिटनेस फिएस्टा 2026' की तैयारियों को लेकर मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था । जब महिलाएँ अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेती हैं, तो पूरा परिवार उसका सकारात्मक लाभ उठाता है। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने कहा कि महिलाएँ प्रायः परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल में स्वयं को भूल जाती हैं। महिलाएँ निःस्वार्थ भाव से सबका ख्याल रखती हैं, लेकिन स्वयं के स्वास्थ्य को नज़रअंदाज़ कर देती हैं। फिटनेस फिएस्टा महिलाओं को स्वयं के लिए समय निकालने की प्रेरणा देगा। कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए संयोजिका चंद्रा जैन ने जानकारी दी कि यह कार्यक्रम सुबह के समय एक-एक घंटे के दो बैचों में आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक महिलाएँ सुविधानुसार भाग ले सकें। कार्यक्रम स्थल के रूप में कृष्णा राव पार्क को चुना गया है, जो इस प्रकार की गतिविधियों के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

इस कार्यक्रम के लिए प्रसिद्ध फिटनेस संस्था ओडुबा को फिटनेस पार्टनर बनाया गया है। अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा योग, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, व्यायाम, जॉगिंग एवं फिटनेस सेशन सप्ताह में पाँच दिन आयोजित किए जाएँगे वहीं शनिवार के दिन स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी कक्षाएँ होंगी, जिनमें भोजन की गुणवत्ता व मात्रा, विभिन्न आयु वर्ग के लिए उपयुक्त आहार तथा स्वास्थ्य समस्याओं में बरती जाने वाली सावधानियों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। बैठक में बड़ी संख्या में लेडीज विंग की सदस्याएं उपस्थित थीं।

वीएस हॉस्पिटल्स में पहली ब्रेन स्टिमुलेशन थेरेपी शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में पहली बार, वीएस हॉस्पिटल्स ने तंत्रिका संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (टीएमएस) थेरेपी शुरू की है। यह उन्नत, गैर-आक्रामक उपचार मस्तिष्क के विशिष्ट क्षेत्रों को उत्तेजित करने के लिए कोमल चुंबकीय स्पंदनों का उपयोग करता है, जिससे स्ट्रोक, माइग्रेन, न्यूरोपैथिक दर्द, अवसाद और अन्य तंत्रिका संबंधी विकारों से पीड़ित रोगियों के लिए नई उम्मीद जगी है। अपनी मजबूत सुरक्षा, न्यूनतम दुष्प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नैदानिक स्वीकृति के साथ, टीएमएस शहर में मस्तिष्क स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वीएस हॉस्पिटल्स के कार्यकारी निदेशक मुथु सुब्रमणियन, ग्रुप सीओओ प्रसन्ना, वरिष्ठ सलाहकार न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सिंधुजा और वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन, निदेशक और चिकित्सा निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस. सुंदर की उपस्थिति में ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (टीएमएस) थेरेपी का उद्घाटन किया गया।

सृजनात्मक लेखन की कार्यशाला 9 जनवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी और कोयंबत्तूर के प्रतिष्ठित महाविद्यालय पीएसजीआर कृष्णम्माल महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं लिए आगामी 9 जनवरी को सृजनात्मक लेखन की कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

कार्यशाला में पीएसजीआर कृष्णम्माल महिला महाविद्यालय की छात्राओं सहित देश के अन्य भागों से पधारे हिन्दी के रचनात्मक लेखन में रुचि रखने वाले नए साहित्यकार भी उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ पी बी हारत्ती करेंगी। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार और समाजसेवी चंद्र प्रकाश गोयनका तथा विशिष्ट अतिथि साहित्यकार प्रणव तिवारी होंगे। इस अवसर पर तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी के महासचिव ईश्वर करुण एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

'रिसोर्स पर्सन' के रूप में 'कहानी विधा' के रचनात्मक पहलुओं पर मार्गदर्शन करने के लिए प्रो डॉ. निर्मला एस मौर्य, पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर (उत्तर प्रदेश) उपस्थित रहेंगी, जबकि 'कविता विधा' के रचनात्मक पहलुओं पर बेंगलूरु से कवि नंद सारस्वत 'स्वदेशी' मार्गदर्शन करेंगे। 'ललित निबंध विधा' पर छात्राओं को मार्गदर्शन करने के लिए धामपुर, हरिद्वार से पधारीं साहित्यकार डॉ कंचन शर्मा करेंगी। इस रचनात्मक लेखन कार्यशाला में भाग लेनेवाले को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

युवा दिलीप डेयरडेविल्स टीम विजेता और संधू सनराइजर्स टीम बनी उपविजेता

हनुमंतनगर युवक मंडल ने आयोजित किया एचजेपीएल-13

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में हनुमंत नगर जैन नवयुवक मंडल द्वारा संचालित हनुमंत नगर जैन प्रीमियर लीग (एचजेपीएल) का आयोजनशहर के अवलहल्ली स्थित गोपालन ग्राउंण्डस पर किया गया, जिसमें आठ टीमों ने भाग लिया। शाम को फाइनल मैच में दिलीप डेयरडेविल्स टीम विजेता और संधू सनराइजर्स टीम उपविजेता रही। इस बार के एचजेपीएल सीजन-13 के लाभार्थी परिवार पदमाबाई, शीतल, महेश रांका परिवार का सम्मान किया गया।

साथ ही अन्य प्रायोजकों का सम्मान किया गया। ङ्गहनुमंतनगर युवक मंडल के अध्यक्ष शीतल रांका और मंडल के मंत्री किशोर बाफना ने एचजेपीएल के चेयरमैन अमित बुरड़, सह चैयरमेन अविनाश भंडारी और क्रिकेट समिति य युवा मंडल के अन्य सदस्यों को धन्यवाद दिया।

अगले वर्ष में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के मुख्य लाभार्थी सुभाष, राजेंद्र,प्रदीप छाजेड़ परिवार ने लिया। समापन समारोह में हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश कुमार धोका, कोषाध्यक्ष धनराज मुथा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संचालन युवा मंडल के मंत्री किशोर बाफना ने किया।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय इंडिगो उड़ान व्यवधानों पर जांच समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि मंत्रालय वर्तमान में उस समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा है जिसने इस महीने की शुरुआत में इंडिगो से जुड़ी व्यापक उड़ान व्यवधानों की जांच की थी। यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, ''रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप दी गई है। हम रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहे हैं, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से राय ले रहे हैं और उसके आधार पर कार्रवाई करेंगे।''

अधिकारियों के अनुसार, डीजीसीए के संयुक्त महानिदेशक संजय के. ब्रह्मणे की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन पांच दिसंबर को उन परिस्थितियों की व्यापक समीक्षा और आकलन करने के लिए किया गया था जिनके कारण बड़े पैमाने पर उड़ान व्यवधान उत्पन्न हुए। समिति ने शुक्रवार शाम को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी।

इस महीने की शुरुआत में इंडिगो ने एक ही दिन में 1,600 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं जिसके बाद कई दिनों तक बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द की गईं। पायलटों के आराम संबंधी संशोधित नियमों को लागू करने में अपर्याप्त योजना को व्यवधानों का मुख्य कारण बताया गया।

व्यवधानों के बाद डीजीसीए ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को अपने शीतकालीन कार्यक्रम में 10 प्रतिशत की कटौती करने का निर्देश दिया और एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स और मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) इसिड्रे पोरक्रेरास को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वैकुंठ एकादशी

बेंगलूरु के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर पर मंगलवार को वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर खाटू वाले श्याम बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। मंगलवार को सुबह से ही मंदिर में प्रभु प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर श्याम बाबा के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन किए। शाम को मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा व्यालिकावल मल्लेश्वरम स्थित श्रीकृष्णदेवराय कला मंदिर में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कन्नड़ विषय में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले मैट्रिक एवं पीयूसी के विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, वेदिके के अध्यक्ष कृष्णप्पा एवं अन्य।

मां की ममता और पिता की क्षमता दुनिया में सबसे महान : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि कोई भी आदमी जब दुनिया में आता है और पहली बार अपना मुंह खोलता है तो एक ही महान शब्द निकलता है मां। हम सब बड़े सम्मान के साथ बोलते हैं वह शब्द है मां। जिसने तीर्थंकरों को जन्म दिया वह है मां। सोचो अगर मां न होती तो हजार लोग मिलकर भी एक मां की कमी पूरी नहीं कर सकते, पर एक मां हजारों की कमी पूरी कर सकती है। मां की ममता और पिता की क्षमता दुनिया में सबसे महान है।

अगर संतों की भी इस दुनिया में बानगी है और संत इस धरती पर चल रहे हैं तो उन्हें इस दुनिया में लाने वाली मां ही है। महावीर अगर शुरू होते हैं तो 'म से शुरू होते हैं। मां को किया गया प्रणाम आत्मा को, महात्मा को, परमात्मा को किया प्रणाम है। मां की ममता का कर्ज जीवनभर उतारा नहीं जा सकता। साध्वीश्री ने कहा कि साल में एक बार अपने माता-पिता को तीर्थाटन पर ले जाएं। उनके साथ एक ही थाली में बैठकर खाना खाएं।

कुछ रुपए दान-पुण्य करने के लिए दें, क्योंकि हो सकता है, बच्चों को पालने के लिए माता-पिता अपनी जवानी में दान न कर पाए हों। किसी को दान दें तो अपने माता-पिता का नाम लिखवाएं।

ट्रेनिंग

डोडा में मंगलवार को आर्मी के एंटी-टेरर इनिशिएटिव के तहत, डोडा में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान विलेज डिफेंस गार्ड ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.